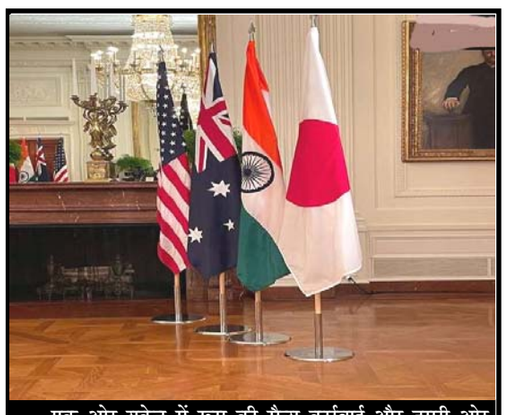

एक ओर यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई और दूसरी ओर ताईवान चीन के मुद्दे... इन सब हालातों को लेकर आज क्वाड समूह के देशों की वर्चुअल बैठक हुई। इसमें चारों देशों ने कहा कि हिंद प्रशांत और जापान में यूक्रेन जैसे हालात कभी बनने नहीं देंगे।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 81 दिनांक: 04-03-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बलिया में शहरी एक बार फिर ग्रामीण वोटरों से पिछड़ रह गए। गुरुवार को शाम 6 बजे तक 53 प्रतिशत मतदान हुआ। वैसे यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। अभी आंकड़े को ठीक किया जा रहा है।

## हमलों से थर्राया यूक्रेन, फिर भी कम नहीं हो रहा मुकाबले का जज्बा, कीव की घेराबंदी, खार्कीव में 34 मौतें

कीव । यूक्रेन में इमारतें खंडहर में तब्दील हो रही हैं तो हवा में घुली बारूद बाशिंदों में बेचैनी पैदा कर रही है। बच्चे और बुजुर्गों का बुरा हाल है, औरतें भी रात-दिन के धमाकों से हलकान हैं। यूक्रेन में छिड़ी लड़ाई गुरुवार को दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गई है। इसका अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कह दिया है कि यूक्रेन को सबक सिखाए बगैर हमले नहीं रुकेंगे।

पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन को हथियार मुक्त करने से कम में युद्ध नहीं रुकेगा। इस बीच गुरुवार को भी रूसी हमलों से यूक्रेन के शहर थर्राते रहे। राजधानी कीव को चारों ओर से घेरकर आगे बढ़ रही रूसी सेना को हर कदम पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आमजन रूसी सैनिकों का मुकाबला कर रहे हैं।

नागरिकों के हताहत होने का यह भी एक बड़ा कारण है। दूसरे बड़े शहर खार्कीव में सबसे भीषण लड़ाई छिड़ी हुई है। एक बार दाखिल होकर बाहर हुई रूसी सेना यहां पर पूरी बेरहमी से हमले कर रही है। भीषण गोलाबारी और बमबारी से इस शहर में बीते 24 घंटे में 34 लोग मारे गए हैं। इस बीच यूक्रेन के बालाक्लीया शहर पर रूसी सेना का कब्जा होने की खबर है। रूस के हमले तेज होने से यूक्रेनी शहरों से पलायन भी तेज हुआ है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी संगठन के अनुसार अभी तक दस लाख से ज्यादा लोग देश से बाहर जा चुके हैं। इनमें से करीब आधे लोग पोलैंड गए हैं।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एलान किया है कि अब उनकी सेना बचाव नहीं रूसी सेना पर हमला करेगी। बदली रणनीति में रूसी सेना ने अब समुद्र के समुद्र तटीय शहरों पर हमले बढ़ा दिए हैं। बड़े बंदरगाह वाले शहर ओडेसा को घेरकर काला सागर और जमीन से हमले हो रहे हैं। यूक्रेन के सबवे साफ-सुथरे और रोशनी से जगमगाते रहते थे लेकिन अब नजारा बदल गया है। समुद्र के किनारे बसे खेरसोन पर रूसी सेना ने पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। शहर के प्रमुख स्थानों पर कब्जे के बावजूद कुछ हिस्सों में छिटपुट लड़ाई जारी थी लेकिन गुरुवार को यह लड़ाई भी खत्म हो गई। यहां पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह है। अजोव सागर के तट पर स्थित मारीपोल शहर में भीषण लड़ाई के बीच रूस समर्थित विद्रोहियों ने यूक्रेन के सैनिकों से आत्मसमर्पण के लिए कहा है।

रूस समर्थित विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि समर्पण न करने पर शहर को भयंकर दुष्परिणाम भुगतने होंगे। आइजियम शहर में भी भारी बमबारी से दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन में ओडेसा बंदरगाह के निकट एस्टोनिया का मालवाहक जहाज लड़ाई का शिकार होकर डूब गया। इसके कुछ घंटों बाद ओलविया बंदरगाह पर बांग्लादेश का जहाज भी रूसी मिसाइल का शिकार हो गया। इसके कारण जहाज के चालक दल के सदस्य की मौत हो गई है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को यहूदी मूल का बताते हुए कहा कि वह नाजीवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, युद्ध का मकसद यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकना है। लावरोव ने कहा कि रूस यूक्रेन से वार्ता के लिए तैयार है। लेकिन वह यूक्रेन के सैन्य ठिकानों पर अपने हमले नहीं रोकेगा। अर्थात बातचीत के साथ यूक्रेन पर हमले भी चलते रहेंगे। लावरोव ने स्पष्ट किया कि परमाणु हमले की धमकी नहीं दी।

यूक्रेनी सेना और विद्रोहियों के संघर्षविराम पर नजर रखने के लिए गठित यूरोपीय पर्यवेक्षण दल की सदस्य मरयाना फेनिना की गोलाबारी की चपेट में आने से मौत हो गई। रूसी हमले शुरू होने के बाद इस दल ने अपना काम बंद कर दिया है। इस बीच यूक्रेन की स्वघोषित आइटी आर्मी ने बेलारूस के रेल नेटवर्क को निशाना बनाने का एलान किया है। विदित हो कि रूस के सैनिक बेलारूस के रास्ते यूक्रेन आकर हमला कर रहे हैं।

## यूक्रेन को चेतावनी की तरह देख रहे हैं क्वाड नेता, हिंद-प्रशांत-जापान में नहीं होने देंगे ऐसे हालात

नई दिल्ली । यूक्रेन पर रूस के हमले से उपजे हालात के बीच क्वाड संगठन के प्रमुखों ने वर्चुअल तरीके से गुरुवार को बैठक की। क्वाड समूह के देशों अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया और जापान ने यूक्रेन में जारी संकट के हालात पर चर्चा की और प्रतिबद्धता जताई कि ऐसे हालात हिंद प्रशांत जापान में नहीं बनने देंगे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन संकट के समाधान के लिए वार्ता और कूटनीति की राह अपनाने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने यूएन चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून को भी अहम बताया और इसका अनुसरण करने की बात दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्काट मारिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा मौजूद थे।

व्हाइट हाउस ने कहा कि अब क्वाड मीटिंग वर्चुअल नहीं होगी क्योंकि समूह के सदस्य देशों ने अगली बैठक के लिए टोक्यो में व्यक्तिगत तौर पर मौजूद रहने की बात कही है। बैठक शुरू होने से पहले अमेरिका की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह बैठक मुख्य तौर पर यूक्रेन पर रूस के हमले और इसके हिंद प्रशांत क्षेत्र में होने वाले असर पर चर्चा के लिए बुलाई गई है। जबकि भारत ने कहा है कि सितंबर, 2021 में इन नेताओं के बीच बनी सहमति को आगे बढ़ाने के लिए यह वार्ता आयोजित की गई है। क्वाड बैठक में पीएम नरेन्द्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के पीएम फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के पीएम स्काट मारीसन ने हिस्सा लिया।

## भारत ने रूस का दावा किया खारिज, कहा- छात्रों की निकासी में मिल रहा है यूक्रेन का पूरा सहयोग

नई दिल्ली । युद्ध में घिरे भारतीय छात्रों को यूक्रेन में बंधक बनाए जाने के रूस के दावों को भारत ने सिरे से खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि खार्कीव में फंसे छात्रों को निकालने में यूक्रेन का सहयोग मिल रहा है। भारत ने यूक्रेन के अधिकारियों से विशेष ट्रेन का प्रबंध करने का आग्रह किया है और उन्होंने सहयोग का आश्वासन भी दिया है।

जंग के मैदान में दोनों देशों के बीच चल रहे कूटनीतिक-रणनीतिक दांवपेच के बीच भारत ने यूक्रेन के भी उस दावे को नकार दिया कि रूस ने भारत समेत कुछ अन्य देशों के छात्रों को भारी बमबारी कर बंधक बना रखा है। यूक्रेन में भारतीय छात्रों को बंधक बनाए जाने का दावा कर कूटनीतिक सनसनी फैलाने का प्रयास रूस ने बुधवार देर रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई वार्ता के बाद किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से खार्कीव और सूमी में भीषण बमबारी में फंसे भारतीय छात्रों की निकासी को लेकर बात की थी।

रूस ने दावा किया था कि यूक्रेन भारतीय छात्रों को बंधक बनाकर उन्हें मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। रूस के इस आरोप के बाद यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इससे इनकार किया था। उसका कहना था कि उसके शहरों पर जारी भयंकर रूसी बमबारी और मिसाइल हमलों के चलते छात्रों का निकलना मुश्किल है। युद्ध में घिरे भारतीय छात्रों को यूक्रेन में बंधक बनाए जाने के रूस के दावों को भारत ने सिरे से खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि खार्कीव में फंसे छात्रों को निकालने में यूक्रेन का सहयोग मिल रहा है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी गुरुवार को बयान जारी कर यूक्रेन में भारतीय छात्रों को बंधक बनाए जाने के रूस के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि हमें यूक्रेन में कहीं से भी किसी छात्र को बंधक बनाए जाने की सूचना नहीं मिली है। हमने यूक्रेन के अधिकारियों से विशेष ट्रेन का प्रबंध करने का आग्रह किया है ताकि खार्कीव व आसपास के इलाकों से छात्रों को यूक्रेन की पश्चिमी सीमा तक ले जाया जा सके।

## पिछले 24 घंटों में 15 फ्लाइट्स से 3000 भारतीयों को युद्ध प्रभावित यूक्रेन से निकाला गया - केंद्र सरकार

नई दिल्ली ( ईएमएस )। केंद्र सरकार ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में 15 फ्लाइट्स से 3000 भारतीयों को युद्ध प्रभावित यूक्रेन से निकाला गया है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि 'ऑपरेशन गंगा' के निकासी कार्यक्रम के तहत स्टूडेंट की वापसी के लिए और फ्लाइट्स शेडयूल की जा रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहला परामर्श जारी होने के बाद से युद्धग्रस्त यूक्रेन की सीमा से 18 हजार भारतीय निकल गए हैं तथा बुधवार को जारी परामर्श के अनुपालन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र खारकीव छोड़कर पास के पेसोचिन पहुंच गए हैं जिनकी अनुमानित संख्या एक हजार है। साथ ही भारतीयों को वापस लाने के वास्ते अगले 24 घंटों के लिए 18 उड़ानें निर्धारित की गई हैं।मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के अभियान की गति लगातार तेज हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने संवाददाताओं से कहा, '' हम खारकीव, सूमी और पूर्वी यूक्रेन के अन्य शहरों में घटनाक्रम पर करीब से नजर रखे हुए हैं ।''उन्होंने कहा कि सरकार का अनुमान है कि परामर्श के बावजूद सौ से अधिक भारतीय अभी तक खारकीव में हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय दूतावास द्वारा बुधवार को जारी परामर्श के अनुपालन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों ने खारकीव छोड़ा और वे पास के पेसोचिन में हैं जिनकी अनुमानित संख्या 1,000 है। उन्होंने कहा, '' खारकीव छोड़ने के बाद पेसोचिन पहुंचे भारतीयों को यूक्रेन के पश्चिमी भाग में ले जाने पर काम हो रहा है।'' प्रवक्ता ने कहा कि भारतीयों को वापस लाने के वास्ते अगले 24 घंटों के लिए 18 उड़ानें निर्धारित की गई हैं।बागची ने कहा कि भारतीय अधिकारी यूक्रेन के खारकीव और सूमी से भारतीयों को निकालने के लिए यूक्रेन तथा रूस के अधिकारियों के संपर्क में हैं ।उन्होंने कहा, '' वहां युद्ध की स्थिति है और स्थितियां तेजी से बदल रही है ।पूरा सरकारी तंत्र दिन-रात काम कर रहा है।''

## 57 सीटों पर 54.12 प्रतिशत मतदान, अंबेडकरनगर सबसे आगे और बलरामपुर फिसड्डी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के छठे चरण में 10 जिलों की 57 सीटों के लिए गुरुवार को 54.12 प्रतिशत वोट डाले गए। अंबेडकरनगर जिले में सबसे अधिक 62.22 प्रतिशत मतदान हुआ। बलरामपुर जिला वोट डालने के मामले में सबसे फिसड्डी साबित हुआ। यहां 48.64 प्रतिशत ही मतदान हुआ। वर्ष 2017 के चुनाव में इन सीटों पर कुल 56.52 प्रतिशत वोट पड़े थे। छिटपुट शिकायतों को छोड़कर मतदान शांति पूर्ण रहा। इसके साथ ही 66 महिला सहित 676 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गई है।

यूपी विधानसभा चुनाव के छठे चरण में गोरखपुर, अंबेडकरनगर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया व बलिया जिले में मतदान हुआ। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बीच मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुआ। पहले दो घंटे में यानी सुबह नौ बजे तक 8.69 प्रतिशत ही मतदान हुआ। दिन में 11 बजे तक 21.79 प्रतिशत वोट पड़े। इसके बाद मतदान में तेजी आई और दिन में दोपहर एक बजे तक 36.33 प्रतिशत मत पड़ चुके थे। शाम पांच बजे मतदान 53.31 प्रतिशत हो गया था।

शाम छह बजे वोट डालने का समय था किंतु कई जिलों के पोलिंग बूथों पर लंबी कतारें होने के कारण मतदान देर तक चलता रहा। ऐसे में मतदान प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है। अंबेडकरनगर जिले के अकबरपुर विधान सभा क्षेत्र में शाम पांच बजे तक 63.25, कटेहरी में 63 व टांडा में 62 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। बलरामपुर के उतरौला में 46.33, बलरामपुर सदर में 47.78 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। बलिया के बैरिया में 46.50 व मुख्यमंत्री योगी की विधान सभा गोरखपुर शहर में 51 प्रतिशत वोट पड़े। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि गुरुवार को 13,936 मतदान केंद्रों के 25,326 पोलिंग बूथों पर वोट डाले गए। इनमें से 1113 आदर्श मतदान केंद्र थे जबकि 76 पिंक बूथ बनाए गए थे, जिनमें सिर्फ महिला कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। दिव्यांग मतदाताओं के लिए जिलों में व्हील चेयर और जगह-जगह पर वालंटियर की व्यवस्था भी की गई थी।

निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 851 कंपनियां तैनात की गई थीं। चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए आयोग ने एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, एक वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक व दो वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए थे। इसके अलावा 56 सामान्य प्रेक्षक, 10 पुलिस प्रेक्षक व 18 व्यय प्रेक्षक पहले से तैनात थे। चुनाव के लिए कुल 1,10,281 कर्मियों को लगाया गया था। आचार संहिता उल्लंघन की दर्ज हुईं 220 शिकायतें : छठे चरण में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की कुल 220 शिकायतें दर्ज हुईं हैं। यह शिकायतें फ्लाइंग स्क्वायड, स्टैटिक सर्विलांस टीम एवं अन्य ने दर्ज कराई हैं। इन पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा 206 शिकायतें मोबाइल एप सी-विजिल पर सीधे प्रदेशवासियों ने दर्ज कराई हैं। जांच के दौरान 76 शिकायतें सही पाई गईं हैं, इन पर कार्रवाई की गई है।

योगी, राम गोविंद चौधरी सहित कई की प्रतिष्ठा दांव पर : छठे चरण के चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी सहित कई प्रमुख नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। योगी गोरखपुर शहर सीट से चुनाव मैदान में हैं तो नेता प्रतिपक्ष बलिया की बांसडीह से लड़ रहे हैं। इटवा सीट से बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी मैदान में हैं तो उनसे मुकाबले में सपा के कद्दावर नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय चुनाव लड़ रहे हैं। फाजिलनगर सीट से स्वामी प्रसाद मौर्य सपा प्रत्याशी हैं। इसी तरह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू कुशीनगर की तमकुहीराज से चुनाव लड़ रहे हैं। बसपा प्रत्याशियों में प्रमुख नाम प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर सिंह रसड़ा से चुनाव लड़ रहे हैं। देवरिया की पथरदेवा सीट से कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, सिद्धार्थनगर की बांसी सीट से स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, गोरखपुर की खजनी से उद्यान राज्यमंत्री ( स्वतंत्र प्रभार ) श्रीराम चौहान, बलिया की फेफना से खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री ( स्वतंत्र प्रभार ) उपेंद्र तिवारी, बैरिया सीट से ग्राम्य विकास राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला व गोरखपुर के चौरीचौरा विधान सभा क्षेत्र से पशुधन राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट से लालजी वर्मा व अकबरपुर से राम अचल राजभर सपा के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं।

## मोदी सरकार के समर्थन में उतरी कांग्रेस यूएनजीए वोटिंग में भारत के कदम को बताया सही

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में मतदान से दूर रहने के केंद्र सरकार के रुख का समर्थन किया। सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कहा जा रहा है कि विदेश मामलों पर संसद की एक सलाहकार समिति की विदेश मंत्रालय में हुई बैठक के समय विपक्ष ने मोदी सरकार का समर्थन किया। यूक्रेन में चल रहे रूसी सैन्य अभियानों के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने संसदीय समिति को जानकारी दी। उन्होंने निकासी प्रक्रिया और वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित किया। सूत्रों ने कहा, ठकांग्रेस नेताओं ने यूएनजीए में मतदान से दूर रहने के सरकार के रुख का समर्थन किया।ठ बता दें कि भारत ने एक बार फिर से संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के खिलाफ हुई वोटिंग में हिस्सा लेने से परहेज किया। जयशंकर की अध्यक्षता में मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शशि थरूर, आनंद शर्मा, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी, राजद के प्रेमचंद्र गुप्ता, भाजपा के जी वी एन नरसिंह राव आदि ने हिस्सा लिया। इसमें विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने यूक्रेन की स्थिति और वहां से भारतीयों को वापस लाने के सरकार के प्रयासों की जानकारी दी। जयशंकर ने बैठक के बाद ट्वीट किया, ''यूक्रेन के घटनाक्रम पर विदेश मंत्रालय की परामर्श समिति की बैठक अभी समाप्त हुई। इस मुद्दे से जुड़े रणनीतिक और मानवीय आयामों पर अच्छी चर्चा हुई।''उन्होंने कहा,'' यूक्रेन से सभी भारतीयों को वापस लाने के प्रयास के पक्ष में मजबूत एवं सर्वसम्मत संदेश। बैठक के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने ट्वीट किया, यूक्रेन के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय से संबंधित परामर्श समिति की बैठक हुई। समग्र जानकारी और हमारे सवालों एवं चिंताओं का सटीक जवाब देने के लिए एस जयशंकर और उनके साथियों को धन्यवाद करता हूं। यही भावना है जिस पर विदेश नीति चलनी चाहिए। उन्होंने कहा, छह राजनीतिक दलों के नौ सांसदों ने बैठक में हिस्सा लिया। कांग्रेस से राहुल गांधी, आंनद शर्मा और मैं इसमें शामिल हुए। सौहार्दपूर्ण माहौल में खुलकर चर्चा हुई।

## पुतिन का बड़ा बयान- यूक्रेन में तीन हजार भारतीय छात्रों को बनाया गया बंधक, यूक्रेनी सेना विदेशियों को बना रही ढाल

मॉस्कौ । राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेनी सेना विदेशियों को जाने नहीं दे रही है। रूसी सैनिकों ने बंधकों को रिहा कराया है। उन्होंने कहा कि करीब तीन हजार भारतीय छात्रों को बंधक बनाया गया है। हम भारतीय छात्रों को बाहर निकालने में पूरी मदद करेंगे। रूसी सेना की ओर से रिहायशी इलाकों में हमला नहीं किया जा रहा है।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को धीरे-धीरे एक हफ्ता हो जाएगा लेकिन रूस की ओर से यूक्रेन पर अभी भी ताबड़तोड़ हमले किए जा रहे हैं। लोग यूक्रेन से निकलकर सीमाओं की तरफ चल निकले हैं ताकि कहीं सुरक्षित ठिकाना मिल सके। वहीं विदेशी लोग भी अपने देश जाने को यूक्रेन की सीमाओं तक पहुंच रहे है। लेकिन पुतिन के एक बयान ने हड़कंप मचा दिया है। रूसी सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन की सेना ने भारत और चीन के नागरिकों को बंधक बनाया है।

उन्होंने कहा कि करीब तीन हजार भारतीय छात्रों को बंधक बनाया गया है। हम भारतीय छात्रों को बाहर निकालने में पूरी मदद करेंगे। रूसी सेना की ओर से रिहायशी इलाकों में हमला नहीं किया जा रहा है। यूक्रेन ने इन इलाकों में सैनिक और टैंक तैनात किए हैं। कोई फासिस्ट ही ऐसा कर सकता है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेनी सेना विदेशियों को जाने नहीं दे रही है। रूसी सैनिकों ने बंधकों को रिहा कराया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी बातचीत की अपील करते हुए कहा कि यह इस युद्ध को रोकने का एकमात्र तरीका है। एक संवाददाता सम्मेलन में यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा- हम रूस पर हमला नहीं कर रहे हैं और हम उस पर हमला करने की योजना नहीं बना रहे हैं। आप हमसे क्या चाहते हैं? हमारी जमीन छोड़ दो।

पुतिन द्वारा विश्व के नेताओं को मशहूर लंबी मेज पर बैठाकर चर्चा का जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि मेरे साथ बैठो, 30 मीटर दूर नहीं ( फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तरह )।

## नवाब मलिक की प्रवर्तन निदेशालय ( ईडी ) की हिरासत 7 मार्च तक बढ़ा दी

मुंबई (ईएमएस)। धन सोधन मामले में महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री नवाब मलिक को बड़ा झटका लगा है। विशेष पीएमएलए अदालत ने नवाब मलिक की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत 7 मार्च तक बढ़ा दी है। यह मामला दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। ईडी ने नवाब मलिक को 23 फरवरी को गिरफ्तार किया। दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मलिक की हिरासत गुरुवार को खत्म हो रही थी। लेकिन कोर्ट ने अब नवाब मलिक की हिरासत को 7 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया है। इसके पहले नवाब मलिक को मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय से मेडिकल के लिए ले जाया गया था। ईडी ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मलिक से मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े धन शोधन के मामले में पूछताछ की है। मलिक ईडी कार्यालय पहुंचे और वहां 'धन शोधन निवारण अधिनियम' (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया। अंडरवर्ल्ड संबंधी गतिविधियों, संपत्ति की अवैध रूप से कथित खरीद-फरोख्त तथा हवाला लेनदेन के संबंध में ईडी ने 15 फरवरी को मुंबई में छापेमारी कर नया मामला दर्ज किया था, इसके बाद मलिक से पूछताछ की गई। बाद में मलिक को 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम और अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक मामले में जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया। फिर आरोपी को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। जहां ईडी की तरफ से नवाब मलिक की 14 दिनों की रिमांड मांगी गई थी। कोर्ट ने 8 दिन के लिए नवाब मलिक को ईडी की रिमांड पर भेज दिया था।

बीजेपी ने नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार नवाब मलिक का इस्तीफा क्यों नहीं लेना चाहती? ये दाऊद समर्पित सरकार है। नवाब मलिक का इस्तीफा तुरंत लिया जाना चाहिए। फडणवीस ने सरकार पर आरोप लगाकर कहा यह 'दाऊद समरपीठ', 'दाऊद शरण' सरकार है। यह सरकार दाऊद के साथ संबंध रखने वाले लोगों को बचाने के लिए एक साथ आ रही है। इसकारण भाजपा ने विरोध शुरू किया हैं, हम मांग करते हैं कि उनका इस्तीफा तुरंत लिया जाए।

## भगौड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले की सुनवाई अगले हफ्ते

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भगौड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले की सुनवाई अगले हफ्ते करेगा। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने विजय माल्या को जवाब देने का आखिरी मौका देते हुए कहा था कि माल्या की अनुपस्थिति में ही सजा के मुद्दे पर आगे बढ़ने का फैसला करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर माल्या अपना पक्ष नहीं रखते हैं तो अदालत इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए आगे बढ़ेगी। इससे पहले 10 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने विजय माल्या को जवाब देने का आखिरी मौका दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि माल्या अदालत के निर्देशों का जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं वरना माल्या की अनुपस्थिति में ही सजा के मुद्दे पर आगे बढ़ने का फैसला किया जाएगा। अगर माल्या अपना पक्ष नहीं रखते हैं तो अदालत इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए आगे बढ़ने पर विचार करेगी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस ललित ने कहा था कि अब मामला अवमानना को लेकर है। नियम के अनुसार दोषी को भी सुना जाना जरूरी है। हालांकि माल्या कभी भी अदालत में पेश नहीं हुए। अब तक उनके वकील ही कोर्ट में आते रहे हैं।

## पेट्रोल और डीजल की कीमत में हो सकता है 30 रुपए प्रति लीटर का इजाफा

- 7 मार्च को आखिरी चरण के मतदान के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी से इजाफा होता जा रहा है। रूस पर यूक्रेन के हमले की वजह से बुधवार को वै?श्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के भी पार निकल गया। इसके चलते भारत में जल्दी ही डीजल और पेट्रोल की कीमतों का बढ़ना लगभग तय हो चुका है। आंकड़ों को देखने पर पता चलता है ?कि पेट्रोल की कीमतों में आने वाले दिनों में 30 रुपए प्रति लीटर से ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है। क्रूड ऑयल 02 दिसंबर 2021 को 70 डॉलर के आसपास था, लेकिन अभी यह 110 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल चुका है। दिल्ली में डीजल-पेट्रोल के दाम में 02 दिसंबर के बाद कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली सरकार ने एक दिसंबर को डीजल और पेट्रोल पर वैट में कटौती की थी। उसके बाद से दिल्ली में इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तब से अब तक क्रूड 57 फीसदी से ज्यादा महंगा हो चुका है। मौजूदा नीति के हिसाब से सरकारी तेल कंपनियां क्रूड ऑयल की वैश्विक कीमतों के अनुसार डीजल-पेट्रोल की खुदरा दरों में बदलाव करती हैं। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत 5 राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव के चलते पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की जा रही है।

हालांकि, इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। अब इस बात की आशंका है कि जैसे ही 7 मार्च को आखिरी चरण का मतदान होगा। सरकारी तेल कंपनियां तेजी से पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने लगेगी। करीब 3 महीने पहले देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल के भाव 100 रुपए प्रति लीटर के स्तर को पार कर गए थे। केंद्र सरकार ने 03 नवंबर 2021 को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज डयूटी कम करने का ऐलान किया था। इस कदम के बाद कई राज्य सरकारों ने भी वैट में कटौती की थी। इससे आम लोगों को रिकॉर्ड महंगे डीजल-पेट्रोल से राहत मिली थी। ले?किन अब जिस हिसाब से क्रूड ऑयल के दाम दिसंबर के बाद से बढ़े हैं, अगर सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम उसी तरह बढ़ाए तो जल्दी ही इसमें 30 रुपए से ज्यादा की तेजी आ सकती है।

### कार्टून कोना

## रुस-यूक्रेन जंग के बीच स्वीडन के एयरस्पेस में घुसे रुसी फाइटर जेट, लोगों में दहशत

स्टॉकहोम (ईएमएस)। यूक्रेन पर जारी रूस के हमले के बीच स्वीडन ने बड़ा आरोप लगाया है। स्वीडन का कहना है, कि रूसी सेना के 4 फाइटर जेट उसके एयरस्पेस में घुस आए थे। यूक्रेन पर रूसी सेना की बमबारी के बीच घटना ने यूरोपीय देश को दहशत में ला दिया। यूक्रेन के बाद यूरोप के दूसरे देशों पर हमले की आशंका पहले ही वोलोदिमीर जेलेंस्की जताते रहे हैं। इसके बाद इस तरह से फाइटर जेट घुसने के बाद से स्वीडन में डर का माहौल पैदा हो गया। स्वीडन की ओर से बताया गया कि दो सुखोई-27 और दो सुखाई 24 फाइटर जेट अचानक वायु सीमा में घुस आए थे।

यह घटना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस चेतावनी के कुछ दिन बाद ही हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि वे नाटो में जाते हैं, तब फिर स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों को खामियाजा भुगतना होगा। स्वीडिश एयरफोर्स चीफ कार्ल जोहान एड्सट्रॉम ने कहा, 'मौजूदा हालात में इस घटना को लेकर हम बेहद चिंतित हैं। यह जो घटना रूस की तरफ से हुई है, वह बेहद अनप्रोफेशनल और गैर-जिम्मेदाराना है।' बयान में कहा गया कि इस घटना के तुरंत बाद ही स्वीडिश फोर्सेज सक्रिय हो गई थीं। उन्होंने स्वीडिश फाइटर जेट्स की ओर से रूसी लड़ाकू विमानों की तस्वीरें भी ली गई हैं।

स्वीडिश एयरफोर्स के चीफ ने कहा कि इससे पता लगता है कि हमारी तैयारी बेहतर थी। हम अपनी सुरक्षा और अखंडता की रक्

## जन हितैषी

# लड़ाई का मुकाम

यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमला जारी है। खारकीव समेत कई प्रमुख शहरों लगातार हमले हो रहे हैं। यहां 24 घंटे में हुए हमलों में कम से कम 21 लोग मारे गए हैं और 112 घायल हो गए हैं। आज सुबह रूसी पैराट्रूपर्स ने खारकीव में एक अस्पताल पर हमला किया। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि जंग में अब तक लगभग 6000 रूसी सैनिक मारे गए हैं। 15,000 रूसी सैनिकों का 64 किमी लंबा काफिला यूक्रेन की राजधानी कीव के करीब पहुंच रहा है। रूसी हमले की तबाही झेल रहे राजधानी से निकलने के लिए स्टेशन पर हजारों लोग संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की है कि रूसी पैराट्रूपर्स खारकीव शहर में उतरे हैं। इस शहर को पहले ही रूसी सेना ने घेर रखा है। यूक्रेन में हालात बिगड़ते जा रहे हैं, लोगों के पास खाने का सामना खत्म हो रहा है। कई नागरिक इस उम्मीद में हैं कि स्थिति सामान्य होगी। वहीं दुनियाभर में लोग रूस के इस हमले की निंदा कर रहे हैं। पहले रूस के दो दिनों के भीतर यूक्रेन पर कब्जा कर लिए जाने की संभावना थी, लेकिन छह दिन के बाद भी यूक्रेन और रूस की लड़ाई किसी मुकाम पर नहीं पहुंची है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी सेना अब कीव के चारों तरफ पहुंच चुकी है। इसलिए संभावना है कि कीव पर कब्जा करने में अब ज्यादा समय नहीं लगेगा। लेकिन यदि रूस कीव कर कब्जा नहीं कर पाता है तो फिर युद्ध कई दिनों तक और लंबा खिंच सकता है। हालांकि रूस से जुड़े सूत्रों का दावा है कि सात मार्च तक रूस, यूक्रेन को पूरी तरह से कब्जे में ले लेगा। यूक्रेन पर कब्जे को लेकर रूस का आकलन सही नहीं निकला। इसके अलावा कुछ और कारण भी इस बीच उत्पन्न हो गए। जैसे यूक्रेन की नागरिक भी युद्ध में कूद पड़े, यूक्रेन को कई देशों से मदद भी मिलने लगी। तीसरे, रूस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दबाव भी है, इसलिए उसकी कोशिश है कि युद्ध में नागरिकों को नुकसान न्यूनतम हो। इसलिए रूस उस आक्रामकता के साथ युद्ध नहीं कर रहा है। इन सब कारणों के चलते युद्ध लंबा खिंच रहा है। इसके किसी मुकाम तक पहुंचने में एक सप्ताह का समय और लग सकता है। यह स्पष्ट है कि रूस अब किसी भी सूरत में पीछे हटने वाला नहीं है। युद्ध खत्म होने की दो ही स्थितियां हैं, एक यूक्रेन समर्पण कर दे और दूसरा रूस उस पर काबिज हो जाए। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय और लग सकता है, लेकिन यह समय बहुत ज्यादा नहीं होगा क्योंकि यूक्रेन के लिए लंबे समय तक मुकाबला करते रहना आसान नहीं होगा। युद्ध का बड़ा आकार लेने या विश्व युद्ध जैसे खतरे की आशंका नहीं के बराबर है क्योकि नाटो सेनाएं अपने रुख को पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं। लेकिन इस युद्ध से नुकसान पूरी दुनिया को होगा। युद्ध जितना लंबा खिंचेगा नुकसान उतना बढ़ता जाएगा। इस जंग के बाद अगर रूस अपनी सेना को यूक्रेन में छोड़ता है तो वहां राष्ट्रवाद और उग्र रूप धारण कर सकता है। यूक्रेनी जनता रूसी सैनिकों को अपने देश में कतई नहीं बर्दाश्त कर सकती हैं। यूक्रेन की राजनीति में रूसी दखल किसी भी सूरत में पुतिन के लिए शुभ नहीं होगा। ऐसे में यूक्रेन में रूस के समक्ष एक नई तरह की चुनौती पैदा होगी। रूस और यूक्रेनियों के बीच एक नया संघर्ष पैदा होगा। यह रूस के लिए खतरनाक होगा। खासकर पुतिन की सत्ता के लिए घातक होगा। यह स्थिति तब उत्पन्न होगी जब युद्ध के बाद रूस एक अमेरिका और पश्चिमी देशों का कठोर प्रतिबंध झेल रहा होगा। यह रूस के लिए किसी बुरे दिन से कम नहीं होगा।

# अहिंसात्मक युध्य क्या संभव हैं !

( रूस और उक्रेन युध्य के सम्बन्ध )

युध्य हिंसाजन्य होता हैं और इसका मुख्य कारण अभिमान ,हठवादिता होता हैं .इसमें कोई भी पक्ष लाभ को प्राप्त नहीं करता हैं .युध्य विनाश का कारण हैं और उसकी विभीषिका में दुःख ही होता हैं .वर्तमान में रूस और यूक्रेन का युध्य का मुख्य कारण महत्वाकांछा के साथ अहम की लड़ाई हैं .इस समय जो समाचार आ रहे हैं वे अत्यंत भयावह हैं .

बिना कारण के कोई कार्य नहीं होता और कारण कोई भी बहुत बड़ा नहीं होता हैं .मात्र गलतफहमी या संवादहीनता के कारण यह स्थिति निर्मित होती हैं .इस समय हठवादिता की जगह अनेकांतवाद की जरुरत हैं .यदि इस समय ठहीठ की जगह ठभी ठका उपयोग करेंगे तो शांति ,अमन स्थापित किया जा सकता हैं .

इसी भारत भूमि में एक युध्य अहिंसात्मक भी हुआ हैं .भगवान् ऋषभ देव के पुत्र भरत जिनके नाम से भारत देश का नाम पड़ा हैं वे चक्रवर्ती थे और वे अयोध्या के राजा थे और उनके भाई राजा बाहुबली जो पोदन पुर के राजा थे .उन्होंने भरत की अधीनता नहीं स्वीकारी इस कारण युध्य की घोषणा हुई .दोनों तरफ से सैन्य तैयारी हुई .उसी समय सम्राट भरत और सम्राट बाहुबली के सेनापतियों ने आपस में मंत्रणा कर यह निश्चय किया की यह युध्य दोनों भाइयों के बीच की हैं और इनके कारण लाखों सेना का मरण होगा इससे अच्छा हैं दोनों बलवान हैं इसीलिए दोनों आपस में युध्य करे.

इस प्रस्ताव से दोनों सम्राट के बीच दृष्टि युध्य ,जल युध्य और मल्ल युध्य हुआ और बाहुबली विजयी हुए और उन्हें जीतने के बाद आत्म ग्लानि हुई कि ठइस भूमि और राज्य प्रासाद के पीछे मैं अपने भाई की मौत का भूखा हुआ .धिक्कार हैं धिक्कार हैं ठऔर उन्होंने ने राज्य त्याग,आत्म धर्म को अंगीकार किया .जिसकी जीती जागती तस्वीर गोम्मटेश्वर बाहुबली में हैं .

आज विश्व में भुखमरी ,अशांति ,असंतुलन के साथ बेरोजगारी ,शिक्षा ,स्वास्थ्य आदि कितनी समस्याओं से मानव जूझ रहा हैं और विश्व के शक्तिशाली देश अपना प्रभुत्व जमाने कुछ भी करने को तैयार हैं .शक्तिशाली कोई कितना भी हो उसे अंत में दुनिया छोड़ कर जाना होगा .यमराज के पाश से कोई नहीं बचा हैं और न बच सकता हैं .

विश्व व्यापी संक्रमण से अभी उबर नहीं पा रहे हैं और इस युध्य जो दो महाशक्तियों का टकराव हैं ,एक दूसरे को नीचे दिखाने का उपक्रम हैं और इससे तबाही के अलावा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष में होने वाला नुक्सान कि भरपाई की जाना असंभव होती हैं .

इस जमी पर बड़ी से बड़ी हस्ती समां गयी .देश तो रहेंगे पर शासक बेमौत मारे जायेंगे .कोई भी अमर नहीं हैं .अमरता शांति ,दया प्रेम में होती हैं .

विश्व को आज अहिंसा की जरुरत हैं और वह आएँगी सद्भावना ,भाई चारे से .पूर्व में इतिहास साक्षी हैं .धरम और राजनीती के नाम पर हजारो युध्य हुए और अंत में बैठकर ही समाधान निकालना पड़ा और पड़ता हैं .भाई जैसा दोस्त नहीं और भाई जैसा दुश्मन नहीं .अभी भी कुछ नहीं हुआ वार्ता द्वारा समस्या का समाधान संभव हैं .

राजा राणा छत्रपति हाथिन के अवतार ,
मरना सबको एक दिन अपनी अपनी बार

( लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस )

## दैनिक पंचांग

**04 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | मीन | 06.55 बजे से |
| चंद्र | मीन में | मेष | 08.26 बजे से |
| मंगल | मकर में | वृष | 10.06 बजे से |
| बुध | मकर में | मिथुन | 12.04 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | कर्क | 14.17 बजे से |
| शुक्र | मकर में | सिंह | 16.34 बजे से |
| शनि | मकर में | कन्या | 18.45 बजे से |
| राहु | वृष में | तुला | 20.56 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | वृश्चिक | 23.11 ब.से |
| राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक | | धनु | 01.27 बजे से |
| | | मकर | 03.32 बजे से |
| | | कुंभ | 05.19 बजे से |

**शुक्रवार** 2022 वर्ष का 63 वां दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943
**मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 20.46 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 01.52 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** शुभ 01.44 बजे रात्र को समाप्त।
**करण** बालव 09.06 बजे तदनन्तर कौलव 20.46 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 01.3 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 32'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1871177
**जूलियन दिन** 2459642.5
**कलियुग संवत्** 5123
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2548
**हिजरी सन्** 1443
**महीना** रज्जब **तारीख** 30
**विशेष** फुलैरा दूज, रामकृष्ण जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चर | 05.55 से | 07.23 बजे तक | रोग | 05.38 से | 07.1 बजे तक |
| लाभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | काल | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| अमृत | 08.51 से | 10.19 बजे तक | लाभ | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| काल | 10.19 से | 11.47 बजे तक | उद्वेग | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| शुभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | शुभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| रोग | 01.15 से | 02.43 बजे तक | अमृत | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| उद्वेग | 02.43 से | 04.10 बजे तक | चर | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| चर | 04.10 से | 05.38 बजे तक | रोग | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# वैज्ञानिक कुशलता का परिचायक है एकीकृत दृष्टिकोण

वास्तविक ज्ञान ही विज्ञान है। प्राकृतिक विज्ञान प्रकृति और भौतिक दुनिया का व्यवस्थित ज्ञान होता है,या फ़िर इसका अध्ययन करने वाली इसकी कोई शाखा। असल में विज्ञान शब्द का उपयोग लगभग हमेशा प्राकृतिक विज्ञानों के लिये ही किया जाता है। इसकी तीन मुख्य शाखाएँ हैं : भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान। रसायन का वास्तविक ज्ञान, रसायन विज्ञान है। भौतिकी का वास्तविक ज्ञान, भौतिक विज्ञान है। जीव का वास्तविक ज्ञान, जीव विज्ञान है। कृषि का वास्तविक ज्ञान, कृषि विज्ञान है। खाद्य का वास्तविक ज्ञान, खाद्य विज्ञान है। दुग्ध का वास्तविक ज्ञान दुग्ध विज्ञान है। आदि ऐसे अनेक क्षेत्रों में विज्ञान है। रसायन, भौतिकी, जीव-जंतु, कृषि, खाद्य, दुग्ध, आदि अनेक क्षेत्रों के वास्तविक ज्ञान से राष्ट्रहित संभव है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान का सम्बन्ध ज्ञान से है अर्थात नए ज्ञान की खोज ( डिस्कवर )। प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध अविष्कार ( इन्वेंशन ) से है। बिना ज्ञान के अविष्कार संभव नहीं है। मकान रूपी अविष्कार, स्तम्भ रूपी ज्ञान पर टिका हुआ है । बिना नीव या स्तम्भ के मकान का खड़ा हो पाना असंभव है। उसी प्रकार विज्ञान के बिना, प्रौद्योगिकी का होना असंभव है। एक पुरानी कहावत है - आवश्यकता अविष्कार की जननी है। जब मानव को जीवित रहने के लिए कुछ जरूरी हो जाता है तो वह किसी भी तरह से उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाता है। इसका अर्थ यह है कि आवश्यकता हर नए आविष्कार का मुख्य आधार है। यह मानवीय आवश्यकता ही थी जिसने पहले व्यक्ति को खाने के लिए भोजन खोजने, रहने के लिए घर का निर्माण करने और जंगली जानवरों से बचने के लिए हथियार बनाने का कार्य किया। यदि इन सभी चीजों की मनुष्य अस्तित्व के लिए ज़रूरत नहीं होती तो वह इन सभी का आविष्कार नहीं करता। मानव जीवन की जरूरतें ही अविष्कार का कारण बनी। कहने का तात्पर्य यह है कि प्रौद्योगिकी मानव जीवन की जरूरतों को पूरा करती है। विज्ञान का लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करना है जबकि प्रौद्योगिकी का लक्ष्य वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करने वाले उत्पादों का निर्माण करना है। आधुनिक विज्ञान की त्वरित खोजों ने प्रौद्योगिकी को तेजी से विस्तार करने में सक्षम बनाया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच का यह सम्बन्ध तकनीकी परिवर्तन की गति को संभव बनाया है। विज्ञान नए ज्ञान को,अवलोकन और प्रयोग के माध्यम से व्यवस्थित रूप से खोजता है। प्रौद्योगिकी विभिन्न उद्देश्यों के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। विज्ञान हमेशा उपयोगी होता है। प्रौद्योगिकी, मानव जीवन के लिए उपयोगी हो सकता है या हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक कंप्यूटर उपयोगी हो सकता है पर बम हानिकारक होगा। विज्ञान का उपयोग भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है जबकि प्रौद्योगिकी, मानव जीवन को सरल बनाता है और लोगों की आवश्यकता को पूरा करता है। अतएव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उच्चारण एक साथ किया जाता है। टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। मानव जीवन के भविष्य को शानदार और टिकाऊ बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दोनों को एक साथ लेकर चलना होगा। भारत में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में सन् 1986 से प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ( नेशनल साइंस डे ) मनाया जाता है। प्रोफेसर सी वी रमन ( चंद्रशेखर वेंकटरमन ) ने सन् 1928 में कोलकाता में इस दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी,जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है। रमन की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कारण 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना,प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस देश में विज्ञान के निरंतर उन्नति का आह्वान करता है तथा इसके विकास के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं। रमन प्रभाव में एकल तरंग- धैर्य प्रकाश ( मोनोक्रोमेटिक ) किरणें जब किसी पारदर्शक माध्यम ठोस,द्रव या गैस से गुजरती है तब इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल प्रकाश की किरणों के अलावा स्थिर अंतर पर बहुत कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती हैं। इन्हीं किरणों को रमन-किरण भी कहते हैं। भौतिक शास्त्री सर सी वी रमन एक ऐसे महान आविष्कारक थे,जो न सिर्फ लाखों भारतीयों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह किरणें माध्यम के कणों के कम्पन्न एवं घूर्णन की वजह से मूल प्रकाश की किरणों में ऊर्जा में लाभ या हानि के होने से उत्पन्न होती हैं। रमन किरणों का अनुसंधान की अन्य शाखाओं जैसे औषधि विज्ञान,जीव विज्ञान,भौतिक विज्ञान,खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है। मुंशी प्रेमचंद ने क्या खूब कहा है - ''विज्ञान में इतनी विभूति है कि वह काल के चिह्नों को भी मिटा दे। विज्ञान में ढेर सारी खूबियां होती है जो राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस( नेशनल साइंस डे ) सत्र 2022 ई. का प्रसंग ( थीम ) है – सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण। इस थीम से स्पष्ट होता है कि ठआत्मनिर्भर भारतठ के निर्माण में भारत के वैज्ञानिक कौशल की प्रमुख भूमिका होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ( डीएसटी ) देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्वायत्त वैज्ञानिक संस्थानों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उत्सव कार्यक्रमों में सहयोग, उत्प्रेरण और समन्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। डीएसटी ने 1987 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की। ये पुरस्कार हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदान किए जाते हैं। इसी के साथ-साथ, विज्ञान दिवस पर विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड ( एसईआरबी ) द्वारा एसईआरबी महिला वैज्ञानिकों को उत्कृष्टता पुरस्कार और लोकप्रिय विज्ञान लेखन के लिए पीएचडी एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थियों को 'अवसर' ( एडब्ल्यूएसएआर ) पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। कोई भी राष्ट्र बिना मानव के संभव नहीं है। राष्ट्र मानव श्रृंखला से ही निर्मित होता है। विज्ञान सत्य को उजागर करता है। विज्ञान असत्य पर सत्य की जीत का परिचायक है। विज्ञान अंधविश्वास को ख़त्म करता है। विज्ञान जीवन को विश्वास से परिपूर्ण करता है। सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल ने कहा था कि ''विज्ञान व्यग्रता और अन्धविश्वास रूपी जहर की अचूक दवा है।'' सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल,( 22 मई 1859 - 7 जुलाई 1930 ) एक स्कॉटिश चिकित्सक और लेखक थे। देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2022 के बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ( मिनिस्ट्री ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ) को केंद्रीय बजट ( बजट ) 2022-23 में 14,217 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय में तीन विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ( डीएसटी ), जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग ( डीएसआईआर ) हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 6,000 करोड़ रुपये, जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 2,581 करोड़ रुपये और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को 5,636 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन सभी विभागों ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को 2,894 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 1,680 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 39 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2021-22 में 35 करोड़ रुपये से अधिक है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् को 5,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति है, जिसमें 634 विश्वविद्यालय सालाना 16,000 से अधिक डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का परिचायक है। एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वयता, समता, सरलता और सफलता का जन्म होता है। भारत के दीर्घकालिक भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित दृष्टिकोण जरुरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण मानव जीवन को सबल बनाता है। अतएव हम कह सकते हैं कि वैज्ञानिक कौशल आत्मनिर्भरता का प्रतीक है और एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का प्रतीक है। ( लेखक- डॉ. शंकर सुवन सिंह / ईएमएस )

# परमाणु बमों को 'युद्धक डयूटी' में लगाने के फैसले से दहशत

-रुस के पास है 4 हजार परमाणु बमों का जखीरा

लंदन ( ईएमएस )। परमाणु बमों को 'युद्धक डयूटी' में लगाने के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले से दुनिया में दहशत फैल गई है। यूक्रेन में जारी भीषण हमले के दौरान रूसी राष्ट्रपति के परमाणु बमों को अलर्ट करने के ऐलान को दुनिया में बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। वह भी तब जब रूस के पास दुनिया में सबसे ज्यादा 4,477 परमाणु बम हैं।

यूक्रेन में रूस के हमले का वहां की सेना करारा जवाब दे रही है और यही नहीं पश्चिमी देश इसके खिलाफ लगातार एकजुट हो रहे हैं। पुतिन ने जब हमले का ऐलान किया तो उस समय पश्चिमी देशों को चेतावनी दी थी कि अगर नाटो देशों ने सैन्य रूप से हस्तक्षेप किया तो उन्हें इतिहास में सबसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या पुतिन की धमकी दुनिया में सच होने जा रही है। ऐसा तब है जब रूस के पास हर परिस्थिति से निपटने के लिए हथियार मौजूद हैं।रूस के पास इस समय 4,477 परमाणु हथियार हैं। अमेरिका के फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रूस के पास मौजूद कुल 4,477 परमाणु बमों में 2,565 स्ट्रेटजिक और 1,912 नॉन स्ट्रेजिक हैं। इसमें कहा गया है कि रूस अपने परमाणु बल और उसके आधारभूत ढांचे में तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। इन परमाणु बमों को जमीन, सबमरीन और प्लेन के जरिए दुश्मन के ठिकाने पर गिराया जा सकता है। इसके अलावा रूस के पास कई ऐसे नॉन स्ट्रेटजिक परमाणु बम हैं जो युद्ध में तुरंत तैनात किए जा सकते हैं और वे बहुत कम ही इलाके में तबाही मचाते हैं।

इनसे रेडियो एक्टिव विकिरण भी कम होता है। ये परमाणु बम नागरिक ठिकानों को बर्बाद करने की बजाय सैन्य क्षमता को तबाह करते हैं। ये लैंडमाइन से लेकर टारपीडो तक हो सकते हैं। हालांकि अभी तक इनका जंग में इस्तेमाल नहीं किया गया है।रूस के पास इतने खतरनाक परमाणु बम हैं जिनको लंबी दूरी तक मार करने वाली शक्तिशाली मिसाइलों के जरिए दागा जा सकता है। ये मिसाइलें इतनी ज्यादा ताकतवर हैं कि उनसे ब्रिटेन को मात्र 20 मिनट में और अमेरिका को 30 मिनट में निशाना बनाया जा सकता है। रूस ने इन हथियारों के नाम भी जानबूझकर बहुत डरावने रखे हैं। इनमें से एक का नाम तो 'शैतान' है। ये हथियार पूरे शहर को तबाह करने के लिए बनाए गए हैं। हालांकि अगर पुतिन इन परमाणु बमों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें लिए भी बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। पुतिन यह अच्छी तरह से जानते हैं कि नाटो देशों के पास भी उतने ही खतरनाक परमाणु बम मौजूद हैं। अमेरिका के पास हजारों के तादाद में परमाणु बम हैं और उसने 100 परमाणु बमों को बिल्कुल अलर्ट मोड में यूरोप में तैनात भी कर रखा है। इसके अलावा ब्रिटेन के पास 225 और फ्रांस के पास 290 परमाणु बम हैं। हालांकि पुतिन को नाटो के पलटवार का डर नहीं है। साल 2018 में पुतिन ने कहा था कि वह अपने देश को परमाणु हमले में तबाह होने से नहीं डरते हैं। बता दें कि शीतयुद्ध शुरू होने के बाद दुनिया ने यह मान लिया था कि 'एक-दूसरे को तबाह करने' के खतरे के कारण विश्वभर में परमाणु युद्ध नहीं होगा।

## आज का इतिहास 4 मार्च

1606 फ्रांस नरेश हेनरी चतुर्थ ने विद्रोह दमन के लिए सूडान पर कब्जा किया.
1857 इंग्लैंड फ्रांस युद्ध समाप्त हुआ .
1858 कलकत्ता से 200 बंदियों को लेकर जे.पी.वाकर अंडमान बस्ती बसाने के लिए रवाना हुआ.
1908 कोलिनवुड, ओहियो,अमेरिका में स्कूल में अग्निकांड से 161 बच्चों और शिक्षकों की मृत्यु.
1951 प्रथम एशियाई खेलों का आयोजन हुआ.
1961 भारत के प्रथम विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने कामकाज शुरू किया.
1970 फ्रांसीसी पनडुब्बी भूमध्यसागर में 57 व्यक्तियों सहित लापता हुई.
1972 सोवियत संघ ने लीबियाई तेल शोधन के लिए समझौता किया.
1977 रोमानिया के कई शहरों में भूकंप से हजारों लोग मारे गए.
1990 दक्षिण अफ्रीका के होमलैंड सिस्केई में एएनसी के समर्थकों ने सरकार का तख्ता पलट दिया.
1992 काजूलू (तुर्की) में खान दुर्घटना में 101 श्रमिक मारे गए.
1994 न्यूयार्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में बम विस्फोट के लिए चार मुस्लिम उग्रवादियों को दोषी करार दिया गया.
2000 भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की वरिष्ठ सांसद गीता मुखर्जी का निधन.
2002 गुजरात में फैले दंगों में मरनेवालों की संख्या 518 हुई.
2004 कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस. बंगारप्पा भाजपा में शामिल.

# अमेरिकी प्रभाव से मुक्त होते नजर आ रहे यूएई सहित अरब देश, नहीं की रूस के हमले की निंदा

अबू धाबी ( ईएमएस )। अमेरिका की दुनिया पर धमक कम होने लगी है यह इसलिए कह रहे है क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात ( यूएई ) ने पिछले हफ्ते अपने पश्चिमी सहयोगियों को उस समय अचरज में डाल दिया, जब उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा के अमेरिका के एक प्रस्ताव पर अनुपस्थित रहने का फैसला किया। यूएई के इस कदम ने अमेरिका के सबसे करीबी मध्य पूर्व सहयोगियों में से एक की ऐसे युद्ध में तटस्थता की घोषणा कर दी है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्रुवीकरण कर दिया है। यूएई के राष्ट्रपति के सलाहकार का कहना है कि किसी एक का पक्ष लेने से केवल और ज्यादा हिंसा होगी। यूएई की प्राथमिकता सभी पक्षों को राजनीतिक समाधान खोजने के लिए बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

संयुक्त अरब अमीरात ( यूएई ) के सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने के केवल दो महीने से भी कम समय में यूक्रेन में युद्ध शुरू हो गया। यूक्रेन के मसले पर यूएई का रूख यह दर्शाता है कि कैसे खाड़ी के देश अपने पारंपरिक सहयोगियों और नए साझेदारों के बीच अपने संबंधों को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे ये भी साफ है कि अपने सहयोगियों से रूस के हमले की साफ तौर से निंदा कराने में अमेरिका को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। उधर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर कहा कि यूएई ने यूक्रेन संकट के लिए एक शांतिपूर्ण समाधान की अपील की है। जो सभी पक्षों के हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी देता है। उन्होंने पुतिन के साथ ऊर्जा सहयोग पर भी चर्चा की।

केवल यूएई ही नहीं बल्कि दूसरे अरब राज्यों ने भी रूस के यूक्रेन पर हमले की निंदा करने से परहेज किया है। सऊदी अरब भी तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक गठबंधन में रूस को अपना मुख्य भागीदार मानता है। उसने भी मंगलवार को कहा कि वह यूक्रेन में डी-एस्केलेशन के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करता है। अरब लीग ने भी सोमवार को संयुक्त विज्ञप्ति में तनाव कम करने और संयम बरतने की अपील की, लेकिन यूक्रेन में रूस के हमले की निंदा नहीं की।

इस बारे में यूएई में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अब्दुलखालेक अब्दुल्ला ने कहा कि 'यूएई को अब अमेरिका की कठपुतली के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यूएई वाशिंगटन से आदेश नहीं लेता है।' यूएई और अमेरिका के संबंधों में खटास जो बाइडेन के सत्ता में आने के बाद पैदा हुई। उन्होंने यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को अमेरिका की आतंकवादी संगठनों की सूची से हटा दिया। एक साल से भी कम समय के बाद हूतियों ने अबू धाबी पर घातक हमले शुरू कर दिए। अमेरिका ने भले ही यूएई की सुरक्षा को मजबूत करने का वादा किया है, लेकिन अबू धाबी चाहता है कि हूतियों को आतंकवादी संगठनों की सूची में फिर डाला जाए। बता दें कि दिसंबर में ही यूएई ने एफ-35 लड़ाकू जेट खरीदने के लिए अमेरिका के साथ 23 अरब डॉलर के सौदे के लिए हो रही बातचीत को रोक दिया। फिर पिछले महीने ही उसने घोषणा कर दी कि वह पहली बार चीन से लड़ाकू जेट खरीदने जा रहा है। पहले तो संयुक्त अरब अमीरात और रूस के बीच व्यापार मामूली था, लेकिन 1997 के बाद से यह दस गुना बढ़ गया है। इन सभी घटनाओं को देखते हुए साफ माना जा सकता है कि अमेरिका का मिडिल ईस्ट में असर घट रहा है।

## शब्द पहेली - 7215

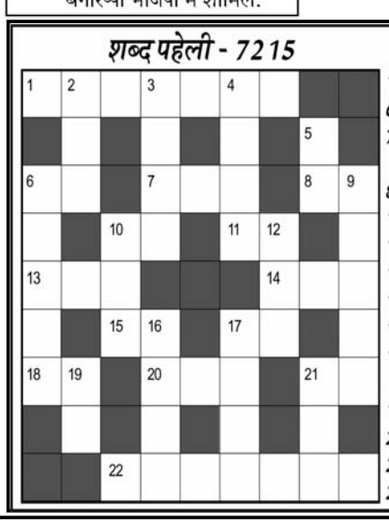

**बाएँ से दाएँ**

1.कृष्ण का एक नाम-4,3
6.धन,संपत्ति-2
7.इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8.विजय,फतह-2
10.आम जनता,लोग-2
11.लाभ,कुल योग-2
13.निर्माण,कृति-3
14.उत्तर-3
15.नष्ट,विनाश-2
17.रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18.तह,अस्तर-2
20.राजी होना-3
21.अवरोध,रुकावट-2
22.आतंक फैलना-4,3

**ऊपर से नीचे**

2.भिड़ंत,मुठभेड़-3
3.इस्लामी महीना-4
4.हाथी,गज-4
5.न्यायाधीश-2
6.जोरदार-5
9.लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10.स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12.वृतांत,घटना-3
16.हल,निष्कर्

# महिला एकदिवसीय विश्वकप शक्रवार से शुरु होगा

खिताब जीतने उतरेंगी आठ टीमें

मुम्बई ( ईएमएस )। महिला विश्व कप एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुक्रवार से न्यूजीलैंड में शुरु होगा। इस 12वें विश्कप कप का सभी टीमों को बेसब्री से इंतजार है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत मेजबान टीम न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले मुकाबले से होगा। वहीं पिछले बार की उपविजेता भारतीय टीम का पहला मुकाबला 6 मार्च को परंपरा-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। इस विश्व कप में मेजबान कीवी टीम सहित आठ टीमें खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इसके लिए मेजबान टीम ने पहले ही क्वालिफाई कर लिया था जबकि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और भारत ने साल 2017 से लेकर 2021 तक खेली गई महिला चैंपियनशिप में शीर्ष 5 में रहते हुए प्रवेश हासिल किया है। वहीं बची हुई तीन टीमों का फैसला क्वालिफायर रद्द होने के कारण एकदिवसीय रैंकिंग से हुआ।

गौरतलब है कि कोविड-19 की वजह से यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए पिछले साल नवंबर-दिसंबर में जिम्बाब्वे में खेला जाने वाले विश्व कप क्वालिफायर नहीं हो पाया था। इसके बाद बाकी तीन टीमों का फैसला एकदिवसीय रैंकिंग के आधार पर किया गया। इस प्रकार पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को अवसर। वहीं श्रीलंका, थाईलैंड और आयरलैंड की महिला टीमें विश्व कप में प्रवेश हासिल नहीं कर पायी हैं। बांग्लादेश की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी।

विश्वकप के पहले मुकाबले में पांच मार्च को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमों के बीच मुकाबला होगा। वहीं 13 मार्च को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीमों के बीच टक्कर होगी। इस दौरान अंतिम राउंड रॉबिन मुकाबला 28 मार्च को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा. आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल मैच 30 और 31 मार्च को खेले जाएंगे। जबकि 3 अप्रैल को खिताबी मुकाबला होगा। जाएगा। इसके साथ ही अगर बारिश के कारण रिजर्व-डे के दिन मैच नहीं हुआ तो फाइनल में पहुंचने वाली टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा।

शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी

महिला विश्व कप में हर टीम एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलेगी। शीर्ष-4 में रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में एंट्री करेंगी. सेमीफाइनल में पहले स्थान पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगी, जबकि दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का मुकाबला तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा।

विजेता टीम को मिलेंगे दो अंक

मैच में विजेता टीम को 2 अंक दिए जाएंगे। वहीं अगर मैच टाई रहता है तो दोनों टीमों को 1-1 अंक मिलेंगे। राउंड रॉबिन स्टेज के दौरान टाई रहे मैच के लिए सुपर ओवर नहीं होगा। अगर राउंड रॉबिन मुकाबलों के दौरान 2 टीमों के अंक बराबर होते हैं तो उनमें से बेहतर नेट रन रेट वाली टीम को प्रवेश मिलेगा पर यदि दोनों टीमों का नेट रनरेट भी टाई रहता है तो फिर हेड टू हेड मुकाबलों के आधार पर टीम क्वालिफाई करेगी। वहीं सुपर ओवर केवल सेमीफाइनल और फाइनल मैच के टाई रहने पर ही खेला जाएगा।

छह स्थलों पर खेले जाएंगे मैच

महिला क्रिकेट विश्व कप के मैच 6 स्थलों पर खेले जाएंगे। यह स्थल हैं ऑकलैंड, क्राइस्टचर्च, डुनेडिन, हैमिल्टन, माउंट मॉनमानुगई और वेलिंगटन. वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैच वेलिंगगटन और क्राइस्टचर्च। फाइनल मैच वेलिंगटन में खेला जाएगा।

डीआरए भी रहेगा

महिला विश्व कप मैचों के दौरान डीआरएस ( डीआरएस ) प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। हर टीम को पारी के दौरान 2 रिव्यू मिलेंगे। इससे पहले साल 2017 में इंग्लैंड में खेले गए महिला क्रिकेट विश्व कप के दौरान भी डीआरएस का इस्तेमाल किया गया था।

बायो-बबल नहीं होगा

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ( आईसीसी ) ने विश्व कप के दौरान टीमों को सख्त बायो-बबल में नहीं रखेगा और ना ही प्रतिदिन खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट होगा। इसके बावजूद यह महिला क्रिकेट विश्व कप नियंत्रित माहौल में खेला जाएगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस के मुताबिक, परीक्षण कम होंगे।

ईनामी राशि बढ़ी

विश्वकप का फाइनल जीतने वाली टीम को करीब 9.90 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह पुरस्कार राशि साल 2017 में इंग्लैंड में खेले गए विश्व कप से दोगुनी है। वर्ल्ड कप की इनामी राशि को 75 फीसदी बढ़ाया गया है। इसमें उपविजेता को 4.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 2.25-2.25 करोड़ रुपए जबकि अन्य चार टीमों में से प्रत्येक को 18.76 लाख रुपए दिए जाएंगे।

दस फीसदी दर्शकों प्रशंसकों को मिलेगा प्रवेश

टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में मैदान पर सिर्फ 10 फीसदी दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। आयोजकों को उम्मीद है कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा तो इसके बाद दर्शकों की संख्या भी बढ़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया रही है छह बार विजेता

मौजूदा चैम्पियान इंग्लैंड की महिला टीम ने 4 बार विश्व कप जीत जीता है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सबसे अधिक 6 बार खिताब अपने नाम किया है। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम एक बार विश्व कप ट्रॉफी जीतने में सफल रही है। वहीं भारतीय टीम पिछली बार विश्व कप में उपविजेता रही थी।

मिताली-झूलन बना सकती हैं रिकॉर्ड

इस बार भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज विश्व कप में उतरते ही एक नया रिकार्ड अपने नाम करेगी। मिताली सबसे ज्यादा 6 विश्व कप में कप में भाग लेने वाली विश्व की पहली महिला क्रिकेटर बनेंगी। मिताली ने विश्वकप मुकाबलों में अब तक 1139 रन बना चुकी हैं। इसके अलावा भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने विश्व कप में अब तक 36 विकेट लिए हैं। अगर वह चार विकेट और लेती हैं तो विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बन जाएंगी।

# यूक्रेन ने भारतीय छात्रों को बनाया बंधक, टैंक रोकने ढाल बनाकर कर रहा इस्तेमालः रूस

- रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमारी सेना कीव और खारकीव से भारतीय छात्रों को निकालने में कर रही है मदद

मॉस्को ( ईएमएस )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से रात में बात की। मोदी और पुतिन की बातचीत के ठीक बाद रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी किया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि हमारी सेना कीव और खारकीव से भारतीय छात्रों को निकालने में पूरी मदद कर रही है, लेकिन यूक्रेन ने भारतीय छात्रों को बंधक बना लिया है। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन अब भारतीय छात्रों को ढाल बना रहा है। वहां भारतीय छात्रों को रोक लिया गया है। रूस ने कहा कि भारतीयों को खारकीव से निकालने की कोशिश की जा रही है। इस बीच रूसी दावे के बाद यूक्रेन की ओर से भी बड़ा बयान सामने आया है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय की ओर से ट्वीट कर भारत समेत उन देशों से आह्वान किया है कि वे अपने छात्रों को निकालने के लिए एक कॉरिडोर बनाने को लेकर रूस से बात करें। यूक्रेन ने भारत, पाकिस्तान, चीन से आह्वान किया है कि वे रूसी आक्रमण के कारण खारकीव और सूमी समेत अन्य शहरों में फंसे अपने छात्रों को निकालने के लिए मानवीय कॉरिडोर बनाने को लेकर रूस से बात करें।

गौरतलब है कि भारत की ओर से रूस से ये मांग की गई थी कि वे भारतीय छात्रों को यूक्रेन से सुरक्षित निकालने में मदद करें। वहीं रूस ने इस मामले में यूक्रेन पर गंभीर आरोप लगा दिए। रूस की ओर से कहा गया कि जो टैंक रोके जा रहे हैं, उसमें भारतीय छात्रों को ही ढाल बनाया जा रहा है। वहीं बेलारूस के राजदूत ने यूएन में दावा किया कि पोलैंड में बॉर्डर गाड्र्स ने करीब 100 भारतीय छात्रों से मारपीट की और उन्हें वापस यूक्रेन की ओर भेज दिया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि यूक्रेन से अब तक 17 हजार से अधिक भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। बता दें कि खारकीव में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर पीएम मोदी ने बुधवार रात को पुतिन से बात की है क्योंकि अभी भी खारकीव में भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। जंग के दौरान पहली बार जब मोदी ने पुतिन से बात की थी तो उन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने पर जोर दिया था। इस बार भी पीएम मोदी ने उनसे बात की है।

# सीमा विवाद पर अमेरिका का हस्तक्षेप, बोला- भारत को उकसा रहा चीन

वॉशिंगटन ( ईएमएस )। यूक्रेन पर रूसी हमले से दुनिया दो हिस्सों में बंट गई है और भारत के पक्ष ने अमेरिका की चिंता जरूर बढ़ा दी है। इसका असर भी देखने को मिल रहा है। जो बाइडेन हों या फिर उनके प्रशासन के अधिकारी, लगातार भारत के साथ अपनी नई दोस्ती के बारे में खुलकर दुनिया के सामने मजबूती से अपना पक्ष रख रहे हैं। बाइडेन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सांसदों को बताया कि चीन हर मोड़ पर भारत को उकसा रहा है जैसा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कर रहा है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन चीन की उकसावे को रोकने के लिए भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रगति में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपको बता दें कि बीजिंग द्वारा पूर्वी लद्दाख सीमा पर सैन्य बलों को नहीं लाने के समझौतों का उल्लंघन करने के बाद चीन के साथ भारत के संबंध अभी बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं।

बाइडेन प्रशासन में सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा, ठभारत को चीन उसी तरह से उकसा रहा है, जिस तरह से वह अमेरिका का सथ व्यवहार करता हैठ उन्होंने कहा, चीन द्वारा भारतीय सीमा पर हमले के लिए जिम्मेदार रेजिमेंट कमांडर को चुनने के बाद भारत ने बीजिंग ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार किया। आपको बता दें इस संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बीजिंग ने हाल ही में चीन का नया नक्शा जारी किया है। इसमें भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर अपना दावा पेश किया है। उसने वहां के शहरों का नाम चीनी नामों से रखा है।

उन्होंने सांसदों से यह भी कहा कि अमेरिका भी भारत के साथ अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। लू ने कहा, ठहम अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी में प्रगति को तेज करने में जुटे हैं। इसके अलावा मजबूत नौसैनिक सहयोग, बढ़ी हुई जानकारी और खुफिया जानकारी साझा करने के साथ-साथ अंतरिक्ष और साइबर स्पेस जैसे उभरते डोमेन में सहयोग बढ़ाने के माध्यम से चीनी उकसावे को रोकने के लिए भारत की क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ठमेलबर्न में हाल ही में क्वाड मंत्रिस्तरीय का उल्लेख करते हुए लू ने कहा कि एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक का समर्थन करने के लिए सभी क्वाड भागीदारों के दृढ़ संकल्प से चकित हैं। क्वाड अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान का एक चार सदस्यीय समूह है जिसका गठन इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती मुखरता को कंट्रोल करने के लिए किया गया है। लू ने कहा कि क्वाड दुनिया को कोविड-19 टीकों की एक अरब खुराक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बड़ी प्रगति कर रहा है। चीन लगभग सभी विवादित दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। हालांकि ताइवान, फिलीपींस, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ हिस्सों का दावा करते हैं। बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान बनाए हैं। बीजिंग पूर्वी चीन सागर को लेकर जापान के साथ समुद्री विवाद में भी शामिल है।

# सीएएटीएसए कानून के तहत भारत पर प्रतिबंध लगाने फैसला बाइडेन को करना : अमेरिकी प्रशासन

वाशिंगटन ( ईएमएस )। रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद को लेकर भारत पर सीएएटीएसए कानून के तहत प्रतिबंध लगाने हैं या फिर नहीं, इस पर फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को करना हैं। बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी सांसदों को इसकी जानकारी दी। 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट ( सीएएटीएसए ) के तहत अमेरिकी प्रशासन के पास ईरान, उत्तर कोरिया या रूस के साथ महत्वपूर्ण लेन-देन करने वाले किसी भी देश के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का अधिकार है। सीएएटीएसए एक सख्त अमेरिकी कानून है, जो 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में पुतिन के कथित हस्तक्षेप के जवाब में वाशिंगटन को उन देशों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिकृत करता है, जो मॉस्को से प्रमुख रक्षा साजो-सामान की खरीदारी करते हैं।

भारत के खिलाफ संभावित सीएएटीएसए प्रतिबंधों से जुड़े सवाल पर दक्षिण एवं मध्य एशिया में अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने सीनेट की निकट पूर्व, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और आतंकवाद निरोधी मामलों की विदेशी संबंध उपसमिति के सदस्यों को बताया कि नई दिल्ली पर प्रतिबंध लगाया जाए या नहीं, इस पर फैसला राष्ट्रपति बाइडन को करना है। लु ने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि बाइडन प्रशासन सीएएटीएसए कानून का पालन कर इस पूरी तरह से लागू करेगा। प्रशासन इसके किसी भी पहलू पर आगे बढ़ने से पहले कांग्रेस के साथ राय-मशविरा करेगा। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से मैं यह नहीं कह पा रहा हूं कि भारत के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के मामले में राष्ट्रपति या विदेश मंत्री के फैसले को लेकर कोई अंदाजा लगाएं। मैं यह भी नहीं बता पा रहा हूं कि क्या यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई का फैसले पर कोई असर होगा।

लु ने स्पष्ट किया कि बाइडन प्रशासन ने भारत पर सीएएटीएसए के तहत प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा, भारत वाकई हमारा एक बेहद अहम सुरक्षा साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे बढ़ाने के पक्षधर हैं। मुझे उम्मीद है कि रूस को जिस तरह से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है, उससे भारत को समझ आएगा कि अब मॉस्को से दूरी बनाने का समय आ गया है। लु ने दावा किया कि रूसी बैंकों पर लगाए गए व्यापक प्रतिबंधों के चलते किसी भी देश के लिए रूस से प्रमुख हथियार प्रणाली की खरीदारी करना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने देखा है कि भारत ने कैसे मिग-29 का ऑर्डर रद्द किया, रूसी हेलीकॉप्टर और टैंक रोधी हथियार का ऑर्डर रद्द किया। लु की यह टिप्पणी उस समय में आई है, जब भारत को यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान से दूर रहने को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों ही दलों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

# संयुक्त राष्ट्र महासभा में रुस के पक्ष में इन पांच देशों ने दिया साथ

जिनेवा ( ईएमएस )। रूस और यूक्रेन की जंग गुरुवार को आठवें दिन भी जारी है।इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा में जंग के मसले पर फिर बैठक हुई, जिसमें रूस के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया। इसमें रूस से कहा गया है,कि वह यूक्रेन से अपनी सेना को वापस बुलाए। यह प्रस्ताव यूएनजीए में पास हो गया लेकिन पांच देश ( रूस समेत ) इसके खिलाफ थे। इन चारों देशों को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस का दोस्त बताया है। 193 सदस्यों वाली यून महासभा में रूसी हमले की निंदा हुई और सेना को वापस बुलाने की बात कही गई। मसले पर वोटिंग भी हुई, जिसमें भारत ने हिस्सा नहीं लिया।

रूस के अलावा बेलारूस, इरीट्रिया, उत्तर कोरिया और सीरिया ने प्रस्ताव के विरोध में वोट डाला। इसपर राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का बयान भी आया था। उन्होंने कहा कि रूस का इन चारों के अलावा कोई दोस्त नहीं बचा है। इस प्रस्ताव को करीब 100 देशों ने सह प्रायोजित किया था। इसमें यूक्रेन और अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान, अल्बानिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इजरायल, इटली, जापान, कुवैत, म्यांमार, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत ने न्यूट्रल रुख अपनाया है। भारत की तरफ से पहले ही साफ किया गया है,कि हमारी प्राथमिकता यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों और छात्रों को निकालना है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत युद्धविराम का समर्थन करता है। इसके साथ-साथ उन्होंने बॉर्डर पार करने देने के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों का शुक्रिया कहा।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से सेंसेक्स , निफ्टी फिसले

मुंबई ( ईएमएस )। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को शुरुआती तेज के बाद अंत में गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण बिकवाली हावी होने से आई है। तेल की कीमतें बढ़ने से निवेशकों की बाजार धारणा प्रभावित हुई है। इससे सेंसेक्स ओर निफ्टी ने मिली बढ़त गंवा दी और नुकसान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 527.72 अंक बढ़कर 55,996.62 के स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में 366.22 अंक करीब 0.66 फीसदी की गिरावट के साथ ही 55,102.68 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 107.90 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,498.05 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में हालात बदले हैं। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को ही शुद्ध रूप से 4,338.94 करोड़ रुपये के शेयरे बेचे। इससे घरेलू शेयर बाजार भी प्रभावित हुआ है। रूस पर लगे प्रतिबंधों से आपूर्ति बाधित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से हालात और खराब हुए हैं। ''सेंसेक्स में सबसे अधिक छह फीसदी की गिरावट अल्ट्राटेक सीमेंट में आई है। इसके अलावा एशियन पेंट्स, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, मारुति सुजुकी इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, विप्रो, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और आईटीसी के शेयरों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.75 फीसदी बढ़कर 116.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

# युद्ध के कारण रूस पर लगे प्रतिबंधों की आंच महसूस कर रहे हैं लोग

-देश में भुगतान तंत्र नहीं कर रहा काम, नगदी निकासी में लोगों को दिक्कत

मॉस्को( ईएमएस )। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की आंच आम लोग महसूस करने लगे हैं। देश में भुगतान तंत्र अब काम नहीं कर रहा है और नगदी निकासी को लेकर भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी तेत्याना उस्मानोवा ने कहा, एप्पल पे कल से काम नहीं कर रहा है। अब इससे बस में, कैफे में, कहीं भुगतान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा, इसके अलावा एक सुपरमार्केट ने भी प्रति व्यक्ति समान खरीद की मात्रा सीमित कर दी है। एप्पल ने घोषणा की है कि वह रूस में अपने आईफोन और अन्य उत्पाद बेचना बंद कर रहा है साथ ही एप्पल पे जैसी सुविधाओं को भी सीमित करेगा।

बड़ी संख्या में विदेशी और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने रूस में अपने कारोबार को बंद कर दिया है। कई लोगों ने 'एपी' से बातचीत में बताया कि इन कदमों से उनकी दैनिक जिंदगी पर काफी असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश की मुद्रा रूबल को विदेशी मुद्रा में बदलने में मुश्किलें आ रही हैं, एटीएम के बाहर लंबी लाइनें हैं और कई बैंक के कार्ड को एटीएम नहीं स्वीकार कर रहे हैं अर्थात उनसे निकासी की सुविधा बंद है। कुछ लोगों ने बताया कि खाने पीने के सामान के दाम भी बढ़ने लगे हैं। विपक्ष की नेता यूलिया गालयेमिना ने बुधवार को फेसबुक पोस्ट में लिखा,'' दाम बढ़ने की समस्या का सामना कर रहे हैं, पेंशन रूकी हुई हैं....।'' उन्होंने लिखा, ''दवाइयों और चिकित्सीय साजो सामान की कमी हो रही है। हम 1990 को अब कम खराब वक्त के तौर पर याद करेंगे। लेकिन मेरा प्रश्न है कि ''किस लिए''? गौरतलब है कि देश में बड़ी संख्या में लोग युद्ध के खिलाफ हैं और इसे रोकने के लिए सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मानवाधिकार समूह 'ओवीडी-इन्फो' के अनुसार बीते कुछ वक्त में सात हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

# यूक्रेन घटना के बाद रुस को लेकर भारत के रुख में कुछ बदलाव : अमेरिका

वाशिंगटन ( ईएमएस )। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि रूस संबंधी कुछ मामलों पर भारत के सार्वजनिक रुख में बदलाव' आया हैं। उम्मीद है कि नई दिल्ली यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद स्वयं को मॉस्को से दूर करेगी। रूसी बलों ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला शुरू किया था। रूस और यूक्रेन ने कहा कि वे हमले के बाद दूसरी बार वार्ता करने के लिए तैयार हैं। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने निकट पूर्व, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और आतंकवाद विरोधी मामलों पर सीनेट की विदेश मामलों की उप समिति के समक्ष कहा, हम कुछ मामलों पर भारत के रुख में पहले ही बदलाव देख सकते हैं।''

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मतदान से भारत के दूर रहने का जिक्र करते हुए लु ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि के दिए बयान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हमने पिछले दो दिन में दिलचस्प बदलाव को देखा है। जैसा कि आपने कल देखा, केंद्र सरकार ने कहा कि वह भारत से यूक्रेन में मानवीय सहायता भेजेगी। यह बदलाव महत्वपूर्ण है। यूक्रेन का नेतृत्व इसके लिए अनुरोध कर रहा है। लु ने कहा, दूसरी बात, उसने संयुक्त राष्ट्र सत्र के दौरान सभी देशों से संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का पालन करने और अन्य देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का पालन करने का आह्वान किया। यह रूसी आलोचना नहीं थी, लेकिन यह यूक्रेनी संप्रभुता का उल्लंघन करके संयुक्त राष्ट्र चार्टर की रूस द्वारा अवहेलना करने का स्पष्ट जिक्र था। यानी, हम छोटे-छोटे कदम आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जहां हैं, और हमारे भारतीय साझेदार जहां है, हम उस अंतर को पाटने की कोशिश कर रहे हैं।''

अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय छात्रों पर न केवल रूसी बम गिरने का खतरा है, बल्कि उन्हें यूक्रेन से बाहर निकलने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रूस पर अपने रुख को लेकर स्पष्टीकरण देकर भारत ने दो चीजों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, पहली चीज यह है, कि वे इस संघर्ष के कूटनीतिक समाधान की संभावना के मार्ग खुले रखना चाहते हैं। जैसा कि हमने कहा है, इसकी संभावना बहुत कम है, क्योंकि रूसी बल यूक्रेन में असैन्य स्थलों को लगातार निशाना बना रहे हैं। लु ने कहा कि वे दूसरी जिस बात पर जोर दे रहे हैं, वह यह है कि भारत के कई छात्र ''अब भी यूक्रेन में हैं और वे उनकी सुरक्षा के लिए यूक्रेन सरकार और रूस सरकार दोनों के साथ मिलकर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।''

# फरवरी में हिंदुस्तान यूनिलीवर के उत्पाद हुए महंगे

मुंबई ( ईएमएस )। देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर ( एचयूएल ) ने फरवरी में अपने उत्पादों की कीमतों में 3 से 13 फीसदी तक की बढ़ोतरी की। सबसे अधिक 13 फीसदी की वृद्धि 100 ग्राम लक्स साबुन पैक में देखी गई जिसकी कीमत 31 रुपए से बढ़कर 35 रुपए हो गई। लाइफबॉय साबुन के 125 ग्राम पैक की कीमत 31 रुपए से 6.5 फीसदी बढ़कर 33 रुपए हो गई। जनवरी में कंपनी ने उसकी कीमत को 29 रुपए से बढ़ाकर 31 रुपए कर दिया था। कंपनी के एक वितरक ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर कहा कि पूरे फरवरी महीने के दौरान कंपनी ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में मूल्य वृद्धि की। जनवरी में व्हील, सर्फ एक्सेल और लाइफबॉय ब्रांड के दाम 3 से 30 फीसदी के दायरे में बढ़ाए जाने के बावजूद फरवरी में कीमतें बढ़ाई गईं। कच्चे माल की लागत में हो रही लगातार वृद्धि के मद्देनजर कीमतों में इजाफा किया गया है। ताजा दौर के तहत जिन उत्पादों के दाम बढ़ाए गए हैं उनमें डव शैंपू ( 180 मिली ) भी शामिल है जिसकी कीमत 3 फीसदी बढ़कर 165 रुपए हो गई है। इसके अलावा कंपनी ने किसान जैम ( 500 ग्राम ) की कीमत 3.2 फीसदी बढ़ाकर 160 रुपए कर दिया। इसी प्रकार हॉर्लिक्स ( 1 किलोग्राम पैक ) का मूल्य 4 फीसदी बढ़ाकर 375 रुपए से 390 रुपए कर दिया गया। पेप्सोडेंट टूथपेस्ट ( 80 ग्राम पैक ) की कीमत 4 फीसदी बढ़कर 52 रुपए हो गई और सर्फ एक्सेलज ( 1 किलोग्राम पैक ) की कीमत में भी 4 फीसदी का इजाफा किया गया। विम बार भी 4 फीसदी महंगा होकर 26 रुपए का हो गया।

## फेडरल रिजर्व इसी महीने बढ़ाएगा ब्याज दरें: पॉवेल

वाशिंगटन ( ईएमएस )। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने इस महीने नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की। पॉवेल ने अमेरिकी संसद में दिए अपने बयान में कहा कि इस महीने से फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर देगा। अमेरिका में मुद्रास्फीति के बढ़ते स्तर से परेशान फेडरल रिजर्व के इस कदम की संभावना पहले से ही जताई जा रही थी। यह वर्ष 2018 के बाद फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी का पहला मौका होगा। हालांकि पॉवेल ने इसका ज्यादा संकेत नहीं दिया कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी कितनी तेजी से करेगा। फेडरल रिजर्व की 15-16 मार्च को होने वाली बैठक में मानक अल्पकालिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी का फैसला लिए जाने की उम्मीद है।

# यूक्रेन पर रूस के हमले से खाने का तेल 20 रुपए प्रति लीटर महंगा

नई दिल्ली ( ईएमएस )। यूक्रेन पर रुस के हमले की वजह से महज एक सप्ताह में ही इसकी कीमतों में 20 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हो गया है। यूक्रेन सूर्यमुखी के तेल का प्रमुख उत्पादक है। भारत में वहां से अच्छी खासी मात्रा में सूर्यमुखी का तेल मंगाया जाता है। वहां से इस हालात में इसका आयात संभव नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि अभी बाजार में मांग काफी ज्यादा बनी हुई है। इसका कारण अगले महीने होली का त्योहार है। स्थानीय बाजारों में 140 से 150 रुपए लीटर में बिक रहा सोयाबीन के तेल दाम 160 से 170 रुपए लीटर तक पहुंच गए हैं। 180 रुपए लीटर में बिकने वाला सूर्यमुखी तेल इन दिनों 200 रुपए लीटर के पार हो गया है। बाजार सूत्रों ने बताया कि यूक्रेन और रूस के युद्ध के बीच विदेशों में कच्चा पामतेल का दाम 2,000 डॉलर प्रति टन से ऊंचा हो गया है, जो रेकॉर्ड है। आयात करने पर सीपीओ का भाव 167.5 रुपए किलो होता है। जबकि पामोलीन का भाव आयात करने पर 177 रुपए किलो होता है। ऐसे में सवाल यह है कि इन महंगे दाम वाले तेलों को कौन खरीदेगा। अर्जेन्टीना और ब्राजील से सोयाबीन डीगम तेल के मार्च की निर्यात खेप नहीं आ रही है। अप्रैल वाली निर्यात की खेप भेजी जा रही है, जो जून तक आने की संभावना है। सूत्रों ने कहा कि सीपीओ का भाव सोयाबीन से लगभग 200 डॉलर टन नीचे रहता था, वह सोयाबीन से लगभग 150 डॉलर अधिक कर दिया गया है। तभी तो देशी तेलों में सरसों, बिनौला ओर मूंगफली के तेल, आयातित तेलों से 10-12 रुपए किलो सस्ते हो गए हैं।

# रूस ने यूक्रेन के एक और शहर खेरसॉन पर किया कब्जा

कीव ( ईएमएस )। रूस का यूक्रेन पर आक्रमण लगातार जारी है। इस बीच रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के एक और शहर पर कब्जा कर लिया है। एक रिपोर्ट में यूक्रेन के अधिकारियों के हवाले से बताया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर खेरसॉन पर कब्जा कर लिया है। खबर के अनुसार खेरसॉन के मेयर इगोर कोल्यखेव ने कहा कि शहर घिरा हुआ है।कोल्यखेव ने कहा कि दक्षिणी क्षेत्रीय राजधानी में रूसी सैनिकों के शहर में प्रवेश करने और प्रशासनिक भवनों पर कब्जा करने के साथ स्थिति तनावपूर्ण है। क्रीमियन प्रायद्वीप के उत्तर-पश्चिम में स्थित इस शहर की आबादी करीब 300,000 है। यह रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। यह रूसियों को यूक्रेन के दक्षिण

# चुनावी वर्ष में वित्त मंत्री कनु देसाई ने विधानसभा में पेश किया 2.43 लाख करोड़ का बजट

- 12000 वेतन पानेवालों को व्यावसायिक कर से संपूर्ण मुक्ति, वृद्धों की पैंशन में रु. 250 की वृद्धि

- गुजरात सरकार का 20 साल में प्रति व्यक्ति आय रु. 19,823 से बढ़कर रु. 2,14,809 होने का दावा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा सत्र के आज दूसरे दिन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सरकार का बजट पेश किया गया वित्तमंत्री कनूभाई देसाई ने 2 लाख 43 हजार 965 करोड़ का बजट पेश किया है। इस दौरान राज्य के वित्तमंत्री ने कहा कि, कोरोना में अनेक चुनौती के बीच कड़ा परिश्रम कर प्रगति की है। पूरे देश में कोरोना में 177 करोड़ से अधिक वैक्सिन निःशुल्क दी गई है। प्रति व्यक्ति आय 20 वर्ष में 19,823 से बढ़ कर 2,14,809 हो गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में रु. 12000 तक वेतन पाने वाले 15 लाख से अधिक वेतनधारियों को व्यवसायिक कर से संपूर्ण मुक्ति दी गई जिससे गुजरात सरकार को सालाना रु. 108 करोड़ की कम होने का अनुमान है वित्त मंत्री कनु देसाई ने वित्तीय वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कई विभागों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है राज्य में गुजरात प्राकृतिक बोर्ड का गठन किया जाएगा नवजात शिशु और माता को घर पहुंचाने के लिए नए 90 खिलखिलाट वाहनों की खरीदी, 60 से 80 वर्षीय निराधार वृद्धों को रु. 750 के बजाए रु. 1000 मासिक पैंशन, 80 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थियों को रु. 1250 मासिक पैंशन, राष्ट्रीय दिव्यांग पैंशन, संत सूरदास दिव्यांग पैंशन योजना के लाभार्थियों को रु. 1000 मासिक पैंशन, प्राथमिक स्कूलों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को यूनिफार्म के लिए रु. 600 से लेकर रु. 900 दिए जाएंगे डॉ. सविता अंबेडकर आंतरजातिय विवाह सहायता योजना के तहत सहायता राशि रु. 1 लाख से बढ़ाकर रु. 2.50 लाख कर दी गई है सामाजिक भागीदारी से 25 बिरसा मुंडा ज्ञानशक्ति निवासी स्कूलों का प्रारंभ, आदिजाति क्षेत्र में नई 8 एमएसएमई जीआईडीसी एस्टेट, ग्राम पंचायतों के विकास के लिए मुख्यमंत्री ग्राम अस्मिता योजना शुरू की जाएगी स्वर्णिम जयंति मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना 2024 बढ़ाने, ऊर्जा क्षेत्र में नगर पालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केप्टिव सोलर, विन्ड एन्ड एनर्जी पार्क की स्थापना की जाएगी सूरत में तापी नदी किनारे का विश्व बैंक की मदद से विकास, गिफ्ट सिटी में अंतर्राष्ट्रीय आर्बिट्रेशन की स्थापना और ड्रोन स्कील इंस्टीटयूट की स्थापना की जाएगी राज्य के प्रत्येक जिले में श्रमिक अन्नपूर्णा योजना के तहत रु. 10 के बजाए रु. 5 में भोजन, आदिजाति क्षेत्र में गांव से स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक पक्की सड़कें, सापूतारा से सबरीधाम, झरवाणी झरना से लेकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक 218 किलोमीटर के रोड को 10 मीटर चौंड़ा किया जाएगा वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य परिवहन निगम द्वारा 50 इलेक्ट्रिक बस के साथ ही बीएस-6 स्तर की 1200 बसें खरीदी जाएगी सूरत और वडोदरा आरटीओ में अतिरिक्त टेस्ट ट्रेक, सूरत और गिफ्ट सिटी में नए पुलिस थाने, कच्छ के धोरडो, हाजीपीर, गागोदरा आउटपोस्ट का पुलिस थाने में रूपातंरण, वलसाड, गिर सोमनाथ, बोटाद, द्वारका, मोरबी, महीसागर, अरवल्ली, सूरत और नवसारी जिले में जिलास्तरीय स्पोर्ट्स परिसर का निर्माण किया जाएगा अमरेली, वलसाड और सूरत में सूचना विभाग की कचहरी बनाई जाएगी व्यारा में सिन्थेटिक एथ्लेटिक्स ट्रेक के साथ फूटबोल ग्राउंड, सूरत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों के लिए सेंटर फोर एक्सेलन्स का निर्माण, बोटाद, जामखंभालिया, वेरावल में नई मेडिकल कॉलेज शुरू और सुरेन्द्रनगर में आयुर्वेद कॉलेज शुरू की जाएगी सूरत में खाद्य एवं औषध नियमन तंत्र के तहत टेस्टिंग लेबोरेटरी की स्थापना की जाएगी गुजरात सरकार ने रु. 12000 का वेतन पाने वालों के लिए राहत का ऐलान किया है वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में रु. 6000 से रु. 8999 तक वेतन पाने वालों से रु. 80 और रु. 9000 से रु. 11999 तक वेतन पाने वालों से रु. 150 बतौर व्यवसायिक कर वसूला जाता था आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 से रु. 12000 तक वेतन पानेवाले वेतनधारियों को व्यावसायिक कर से संपूर्ण मुक्ति दे दी गई है इससे राज्य सरकार को सालाना रु. 108 करोड़ की आय कम होने का अनुमान है बजट में हर किसी के लिए कुछ न कुछ घोषणाएं की हैं। इसी कड़ी में वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने पशुपालकों को अल्प अवधि ऋण पर ब्याज राहत के लिए रु. 300 करोड़ का प्रावधान किया है। साथ ही साथ किसानों की तरह पशुपालकों और मछुआरों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। बजट में गोशाला, पांजरापोल और ट्रस्ट संचालित संस्थाओं को गोवंश रखरखाव तथा ढांचागत सुविधाओं के विकास के लिए मुख्यमंत्री गोमाता पोषण योजना के अंतर्गत रु.500 करोड़, ग्राम्य स्तर पर घुमते और निराधार पशुओं के रखरखाव तथा व्यवस्था के लिए रु. 50 करोड़, ग्राम्य स्तर पर स्वरोजगार हेतु डेयरी फार्म तथा पशु इकाई स्थापित करने सहायता के लिए रु. 80 करोड़ आवंटित किए है। इसके अलावा बजट में पशु अस्पताल सेवा के लिए रु. 58 करोड़, खाणदाण योजना के लिए पशुपालकों के लिए रु. 44 करोड़, मुख्यमंत्री निःशुल्क उपचार योजना के लिए रु. 24 करोड़ और ग्राम्य दूध उत्पादन सहकारी मंडली को दूध घर/गोदाम निर्माण के लिए रु. करोड़ तथा करुणा एनिमल एंबुलेंस 1962 के लिए रु. 8 करोड़ इसके अलावा कामधेनू यूनिवर्सिटी के संचालन तथा कृषि संशोधन के कार्यक्रमों को गति देने के लिए रु. 137 करोड़ का प्रावधान किया गया है। गुजरात विधानसभा में पेश किए गए वर्ष 2022-23 के बजट में गृह विभाग के लिए रु. 8,325 करोड़ का प्रावधान, अन्न और नागरिक आपूर्ति विभाग के लिए रु. 1,526 करोड़, सामाजिक न्याय, अधिकारिता विभाग के लिए रु. 4,782 करोड़, कानून विभाग के लिए रु. 1,740 करोड़ का प्रावधान, आदिजाति विभाग के लिए रु. 2,909 करोड़ का प्रावधान, पंचायत और ग्राम विकास विभाग के लिए रु. 9,048 करोड़, शहरी विभाग विकास के लिए रु. 14,297 करोड़, उद्योग विभाग के लिए रु.7,030 करोड़ का प्रावधान, पर्यटन विभाग के लिए रु. 465 करोड़ का प्रावधान, विज्ञान और प्रोद्योगिकी विभाग के लिए रु.670 करोड़, कृषि विभाग के लिए रु.7737 करोड़ का प्रावधान, जल सम्पत्ति विभाग के लिए रु.5,339 करोड़ का प्रावधान, जलापूर्ति विभाग के लिए रु. 5,451 करोड़ का प्रावधान, स्वास्थ्य विभाग के लिए रु.12,240 करोड़ का प्रावधान और शिक्षा विभाग के लिए रु.34,884 करोड़ का प्रावधान किया गया है

# अहमदाबाद में 11-13 मार्च को आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक

अहमदाबाद (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रतिनिधि सभा की बैठक 11 से 13 मार्च तक गुजरात के कर्णावती (अहमदाबाद) में आयोजित होगी। इसमें संगठन के विस्तार एवं संघ के शताब्दी वर्ष पूरा होने पर विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा के बारे में विस्तृत चर्चा होगी। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संघ में निर्णय की दृष्टि से सर्वाधिक महत्व की सभा है, जिसमें पिछले वर्ष के कार्यवृत्त, संघ कार्य विस्तार की आगामी वर्ष की योजना, संघ शिक्षा वर्ग योजना, वर्तमान परिस्थिति पर चर्चा होगी एवं कुछ विषयों पर प्रस्ताव भी आ सकते हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 11 से 13 मार्च 2022 तक गुजरात के कर्णावती (अहमदाबाद) में होने जा रही है।''

आंबेकर ने कहा कि पिछले वर्ष कोरोना के चलते यह बैठक संक्षिप्त तौर पर हुई थी तथा कुछ ही कार्यकर्ता प्रत्यक्ष सहभागी हुए थे एवं शेष कार्यकर्ता अपने-अपने प्रांत केंद्र से ऑनलाइन जुड़े थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी बैठक में गुजरात के कोरोना प्रतिबंधों को ध्यान में रखकर अपेक्षित कार्यकर्ता संख्या को कुछ कम किया है, इसकारण सभी लोग अपेक्षित नहीं होने वाले हैं। आरएसएस के प्रचार प्रमुख ने बताया कि प्रतिनिधि सभा में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा सभी सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल, मनमोहन वैद्य, मुकुंद जी, रामदत्त, अरुण कुमार तथा संघ के अन्य सभी पदाधिकारी सहभागी होने वाले हैं।

बयान के अनुसार, इसमें प्रांतों से सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों, क्षेत्र एवं प्रांत के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारकों के साथ संघ प्रेरित विविध संगठन के अखिल संगठन मंत्री व उनके सहयोगी भी बैठक में अपेक्षित हैं। संघ की यह महत्वपूर्ण बैठक 11 मार्च से उस समय में शुरू हो रही है जब एक दिन पहले ही उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होगा। वहीं, सूत्रों ने बताया कि संघ की स्थापना के 100 वर्ष 2025 में पूरे हो रहे हैं, इसके बाद में बैठक में संगठन के विस्तार एवं संघ के शताब्दी वर्ष पूरा होने पर विभिन्न कार्यक्रमों के रूपरेखा के बारे में विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि संघ के कार्यकर्ताओं सहित संगठनों से जिला स्तर पर योजना तैयार करने को कहा गया है और बैठक में विषय पर भी विचार होगा। इसमें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर, तमिलनाडु एवं पर्वतीय क्षेत्रों में विस्तार पर जोर दिया जाएगा।

# मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के वर्ष 2022-23 के बजट का किया स्वागत

- समाज के सभी वर्गों के उन्नत विकास की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता जनोन्मुखी बजट

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को वित्त मंत्री कनुभाई देसाई द्वारा गुजरात विधानसभा में वर्ष 2022-23 के लिए पेश किए गए बजट को संतुलित, सर्वग्राही, सर्वसमावेशी और समाज के सभी वर्गों के उन्नत विकास की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला जनोन्मुखी बजट करार दिया है। भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के केंद्रीय विचार के साथ समाज के सभी वर्गों को शामिल करने वाला यह बजट ऐतिहासिक सिद्ध होगा। उन्होंने यह भरोसा भी जताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, ऐसे में यह बजट 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करेगा। उन्होंने कहा कि देश के ग्रोथ इंजन गुजरात का यह बजट किसानों, युवा रोजगार, मछुआरों, आदिवासियों, गरीबों, वंचितों सहित समाज के सभी वर्गों के समग्र उत्थान की अनेक योजनाओं वाला बजट है। उन्होंने आगे कहा कि गत वर्ष की तुलना में 17 हजार करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 2 लाख 44 हजार करोड़ रुपए का यह बजट गुजरात के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा और बिना किसी नए कर के प्रस्ताव वाला, अधिशेष बजट यानी बचत का बजट प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के अनुरूप बजट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि किसानों को बुवाई से लेकर बिक्री तक खेत उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिले। किसानों को बिजली सब्सिडी तथा कच्छ जैसे क्षेत्रों के लिए सिंचाई की सुविधाओं का भी इस बजट में ख्याल रखा गया है। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, मधु (शहद) क्रांति के लिए 10 हजार नए किसानों को सहायता, किसानों को रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए ब्याज सहायता की योजना आदि किसान उन्मुख बजटीय प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों के हितों को समर्पित राज्य सरकार ने बजट में किसानों के लिए बुवाई से बिक्री तक के प्रोत्साहक कदम उठाए हैं। पटेल ने गौ, गंगा, गीता और गायत्री के आधार स्तंभ पर खड़ी भारतीय संस्कृति का जिक्र करते हुए गोधन संरक्षण और संवर्धन की 'मुख्यमंत्री गौ माता पोषण योजना' का स्वागत किया और कहा कि इस योजना से पिंजरापोल और गौशाला में रहने वाले पशुओं व गोवंश के रखरखाव को नया बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात के युवाओं को 'माइंड टू मार्केट' की अवधारणा से इनोवेशन यानी नवाचार और उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए बजट में पांच साल के लिए 300 करोड़ रुपए और उसके तहत अगले वर्ष के लिए 60 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने नवसारी जिले में पीएम मित्र योजना के अंतर्गत अत्याधुनिक सुविधाओं वाले टेक्सटाइल पार्क, मोरबी में विश्वस्तरीय सहूलियत वाले इंटरनेशनल सिरामिक पार्क और कौशल विकास के लिए नया आयुक्तालय स्थापित करने के आयोजन तथा युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए 51 नए भविष्योन्मुखी पाठयक्रम शुरू करने के बजटीय प्रावधानों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशोरियों तथा गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने के लिए इस बजट में 'सुपोषित माता, स्वस्थ बालक' योजना लेकर आए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण के लिए 1000 दिनों तक प्रति परिवार प्रतिमाह 1 किलो अरहर दाल, 2 किलो चना और 1 किलो खाद्य तेल मुफ्त प्रदान करने से 'हजार दिवसनी काळजी, मां-बाप जीवनभर रहे राजी' अर्थात 'हजार दिनों की देखभाल, मां-बाप जीवन भर रहे खुशहाल' का लक्ष्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में गर्भवती माताओं को पूरक पोषण के लिए 'पोषण सुधा योजना' का दायरा बढ़ाकर और 72 तहसीलों में इसे क्रियान्वित करने के लिए 118 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा आदि के लिए 2 वर्ष में 500 नए मोबाइल टावर लगाने के लिए 100 करोड़ रुपए का आवंटन किया है। पटेल ने कहा कि 25 बिरसा मुंडा ज्ञान शक्ति रेजिडेंशियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और आदिवासी युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने 8 नए एमएसएमई जीआईडीसी एस्टेट का गठन करने के प्रावधान वनबंधु को विश्वबंधु बनाने की राज्य सरकार की मंशा को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1600 किलोमीटर लंबे समुद्र तट वाले गुजरात के मछुआरा बंधुओं और पशुपालकों को कृषि के समान अल्पकालीन ऋण पर ब्याज राहत दी जाएगी। मछुआरों के लिए बजट में इस उद्देश्य से 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि मछुआरा बंधुओं को बोट के लिए मिलने वाले रियायती दर के डीजल की सीमा में प्रत्येक स्तर पर 2 हजार लीटर की बढ़ोतरी तथा हाईस्पीड डीजल बोट राहत योजना के लिए 230 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। राज्य के पांच नए बारहमासी बंदरगाहों के विकास और मत्स्योद्योग केंद्रों के निर्माण की योजना के लिए 201 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि समाज की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी विकास के फल प्राप्त हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वैश्विक विकास की जो राह बनाई है, उस पर आगे बढ़ाने का संकल्प इस बजट में निहित है।

## केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने मुंबई हवाई अड्डे कर यूक्रेन से लौटने वालों के लिए उनकी आगे की यात्रा हेतु रेलवे की व्यवस्था को सुनिश्चित किया

अहमदाबाद (ईएमएस) केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे ने मुंबई हवाई अड्डे का दौरा किया और 3 मार्च, 2022 को सुबह में (ऑपरेशन गंगा) के तहत यूक्रेन से लौटने वाले छात्रों/व्यक्तियों को टिकट जारी करने के लिए रेलवे की व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने हवाई अड्डे पर आरक्षण सह हेल्प डेस्क पर तैनात व्यक्तियों के साथ संवाद किया और उन्हें आगे की यात्रा के लिए यात्रियों के साथ विनम्रता से पेश आने के लिए कहा। माननीय राज्य मंत्री ने टरमैक में यात्रियों का स्वागत किया और उन्हें हवाई अड्डे पर ही उनके आगे के गंतव्य के लिए टिकट जारी करने की रेलवे की व्यवस्था के बारे में बताया। उन्हें हवाई अड्डे पर ही मार्गदर्शन के लिए रेलवे द्वारा संचालित आरक्षण सह हेल्पडेस्क के बारे में बताया गया। उनके आगमन पर माननीय राज्य मंत्री ने छात्रों और व्यक्तियों के साथ संवाद किया और उनसे उनका कुशलक्षेम पूछा तथा उनसे जानकारी ली कि वे रोमानिया की सीमा पर किस तरह पहुंचे, जहां से वे भारत के लिए फ्लाइट में सवार हुए, आदि। बाद में उन्होंने मीडियाकर्मियों को भी संबोधित किया और उन्हें यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन गंगा के बारे में जानकारी दी।

## पश्चिम रेलवे के 13 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

अहमदाबाद, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों के 13 कर्मचारियों को ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन में किये गये उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कादर से सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को जनवरी, 2022 और फरवरी, 2022 के महीनों के दौरान डयूटी में उनकी सतर्कता तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने और इस प्रकार ट्रेन के सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना के तौर पर सम्मानित किया गया। 13 कर्मचारियों में से 5-5 कर्मचारी अहमदाबाद मंडल और वडोदरा मंडल से, 2 कर्मचारी राजकोट मंडल से और 1 कर्मचारी रतलाम मंडल से हैं। इस बैठक में विभिन्नम विभाग के प्रमुख विभागाध्यजक्षों (इध्ध्ऊ) ने भाग लिया, जबकि सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महाप्रबंधक लाहोटी ने सम्मानित किए जा रहे कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना की और इसका उल्लेख किया कि वे सभी के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल, ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, पिनियन जैम, टूटे हुए ओएचई ड्रॉपर वायर, वैगनों में फ्लैट टायर आदि में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के प्रति अपना उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई। पश्चिम रेलवे को अपने उन सभी पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को टालने में मदद की।

## पश्चिम रेलवे की पिस्टल शूटर ने आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में देश का नाम रौशन किया

अहमदाबाद, पश्चिम रेलवे की निशानेबाज सुश्री रुचिता विनेरकर ने मिस्त्र के काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्डर कप में रेलवे को गौरवान्वित किया है। सुश्री विनेरकर 10 मीटर एयर पिस्टल की महिला टीम स्पर्धा का हिस्सा थीं, जिसने जर्मनी को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सुश्री विनेरकर विश्व कप में सुश्री निवेथा पी और सुश्री ईशा सिंह के साथ तिकड़ी का हिस्सा थीं। टीम ने प्रतियोगिता में 16 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। सुश्री विनेरकर पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के यांत्रिक विभाग में कार्यरत हैं। यह जीत वास्तव में पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे खेलकूद संगठन के लिए एक गर्व का क्षण है और जिसने अपने खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन और उपलब्धियों के साथ अपने संबंधित क्षेत्रों में एक विशेष स्थापन बनाने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया है।

गुजरात विधानसभा बजट सत्र

# अवैध शराब की बिक्री और मादक पदार्थों को लेकर विपक्ष का हंगामा

## गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी जबाव देने के लिए खड़े हुए लेकिन विपक्ष के हंगामे के चलते वह जबाव पेश नहीं कर सके

अहमदाबाद, ३ मार्च।

गुजरात में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब की बिक्री होने, अडानी पोर्ट पर हजारों करोड़ का मादक पदार्थ पकड़े जाने, राज्य की सीमाओं पर पकड़े गए मादक पदार्थों के मामले में विधानसभा में विपक्ष ने खूब हंगामा किया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी जबाव देने के लिए खड़े हुए लेकिन विपक्ष के हंगामे के चलते वह जबाव पेश नहीं कर सके सदन को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी के दौरान कांग्रेस विधायक भगा भाई बारड ने सौराष्ट्र के गीर सोमनाथ तथा राजकोट जिले में अवैध शराब तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार तथा उसके पकड़े जाने का सवाल उठाया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि गुजरात पुलिस ने इस मामले में लगातार कार्रवाई करते हुए हजारों की संख्या में केस दर्ज किए हैं तथा शराब के नशीले पदार्थ के अवैध कारोबार पर काबू पाने का प्रयास किया।

विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता शैलेश परमार ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात, गतिशील गुजरात अब उड़ता गुजरात की ओर अग्रसर है। राज्य में बड़े पैमाने पर अवैध शराब की खरीद-फरोख्त हो रही है नशीले पदार्थ एवं शराब पड़ोसी राज्यों से बेरोकटोक गुजरात में पहुंचाए जा रहे हैं। विधायक परमार ने सीमावर्ती जिलों में तैनात पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि गुजरात के युवाओं के भविष्य के साथ मजाक हो रही है। पिछले २ साल में राज्य में २१५ करोड़ रुपए का अवैध शराब करीब चार करोड़ रुपए का देसी शराब तथा १६ करोड़ की बीयर पकड़ी गई है। राज्य मं अवैध तरीके से लाई गई वो पकड़ में आई अफीम चरस हेरोइन गांजा का मूल्य करीब ३७० करोड़ था। राज्य मंत्री हर्ष संघवी इसका जबाव देने के लिए खड़े हुए कांग्रेस विधायकों ने खड़े होकर शोर-शराबा शुरू कर दिया। कांग्रेस सदन में नारेबाजी करती रही गृह राज्य मंत्री ने युवाओं के भविष्य का हवाला देते हुए कांग्रेस विधायकों से सरकार की ओर से पेश जबाव सुनने का आग्रह किया लेकिन कांग्रेस लगातार सदन में हंगामा करती रही जिसके चलते विधानसभा अध्यक्ष को सदन को स्थगित करना पड़ा।

## कांग्रेस की पार-तापी-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द करने की मांग, विधानसभा के बाहर प्रदर्शन

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस विधायकों ने आज गुजरात विधानसभा के बाहर पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना को रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया विपक्षी दल कांग्रेस ने दावा किया कि सरकार केवल आदिवासियों को लोलीपॉप दिखाकर उन्हें मूर्ख बना रही है योजना रद्द करने का आश्वासन भले ही दिया हो लेकिन इसे लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं है विधानसभा के बाहर विपक्ष के नेता सुखराम राठवा की अगुवाई में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि आदिवासियों को गुमराह करने के बजाए सरकार इस योजना को रद्द कर श्वेत पत्र जारी करे कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि जब तक यह मांग पूर्ण नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा

# एजेंटों के तार डींगुचा के साथ होने का सामने आया

अहमदाबाद, ३ मार्च।

डींगुचा शब्द सामने आने पर गुजरात में सभी एक व्यक्ति के दिमाग में होगा कि यह एक ही ऐसा गांव है जहां के पटेल परिवार के दो बच्चे सहित चार सदस्य गैरकानूनी रूप से यूएस में एंट्री करने पर कनाडा की बॉर्डर पर ठंड से मर गये थे। यह घटना सामने आने के बाद राज्य में लोगों को गैरकानूनी तरीके से यूएस भेजते एजेंटों का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद यह गांव की बदनामी में बढोतरी करने की जानकारी मिली है। गैरकानूनी तरीके से इमिग्रेशन द्वारा लोगों को यूएस भेजते २० में से १८ एजेंट डींगुचा गांव के है। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर ने कहा है कि, मानव तस्करी की खोजबीन के दौरान हमने गुजरात में से आठ एजेंटों को पकड़ा है जिन्होंने लोगों को मैक्सिको या कनाडा के रूट के द्वारा गैरकानूनी तरीके से यूएस भेजा है। यह आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड जांच करते समय २० अन्य एजेंटों की जानकारियां मिली जिन्होंने लोगों को गैरकानूनी तरीके से यूएस भेजा था।

यह २० में से १८ शख्स डींगुचा के थे। मेहसाणा तरफ जाते गांधीनगर जिले का अंतिम गांव यानी की डींगुचा और यहां एनआरआई होने का सफलता का मापदंड माना जाता है। यह गांव की आबादी करीब ७००० है और इसमें से आधी आबादी यूएस, ऑस्ट्रेलिया या कनाडा जैसे देशों में जाकर रहती है। यहां के अधिकतर युवक विदेश में जाकर रहने के लिए कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार है। यदि विदेश नहीं जा सके तो वह एजेंट बन जाते है और अंतर्राष्ट्रीय ट्रावेल मामले में कुशलता हांसिल कर लेते है जिसकी वजह से वह डींगुचा और आसपास के गांवों के लिए आय का स्त्रोत बन सके। सीनियर पुलिसकर्मी ने आगे बताया है कि, एजेंटों को ट्रेस करने पर उनके तार यह गांव के साथ शामिल होने का सामने आया है। यह एजेंटों ने अपने क्लायन्ट्स को मैक्सिसको और कनाडा दोनों रूट के द्वारा यूएस भेजा था और यह दोनों रूट काफी खतरनाक है। मैक्सिकों का रास्ता बहुत ही खतरनाक है और मुश्किल से भरा हुआ है।

## असारवा-डुंगरपुर डेमू ट्रेन में (असारवा और हिम्मतनगर के बीच) मासिक सीजन टिकट धारकों को यात्रा की अनुमति

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09543/09544 असारवा-डुंगरपुर-असारवा डेमू स्पेशल ट्रेन में (असारवा और हिम्मतनगर के बीच) सीजन टिकट (श्एऊ) धारकों को यात्रा की अनुमति प्रदान की जा रही है।

यात्रियों से अनुरोध है कोविड-19 के संबंध में स्थानीय प्रशासन, राज्य और केंद्र सरकार के सभी मानदंडों और संबंधित एसओपी का ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों में पालन किया जाए।

## गुजरात की राजधानी गांधीनगर में शुरू होगा देश का पहला बुलियन मार्केट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा में वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री कनु देसाई ने सोना-चांदी के व्यापार को लेकर बड़ा ऐलान किया वित्तमंत्री ने कहा कि गुजरात की राजधानी गांधीनगर में देश का पहला बुलियन मार्केट शुरू किया जाएगा विदेशों में होनेवाले सोना-चांदी के सौदों की सुविधा अब देश में मिल सके इस उद्देश्य से गोल्ड-सिल्वर ट्रेडिंग के लिए देश का पहला बुलियन मार्केट गांधीनगर के गिफ्टी सिटी में शुरू होगा विश्वस्तरीय बैंकिंग, इंस्योरेंस, फाइनांस और आर्बिट्रेशन सुविधाएं गिफ्ट सिटी मं आकार ले रही हैं उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में गुजरात में वैश्विक व्यापार का केन्द्र बनेगा

# तापसी पन्नू करेंगी अराता के नए 'अडवान्स्ड कर्लकेयर स्टाइलिंग जैल' को एंडोर्स

पावरहाउस परफोर्मर एवं अराता की कर्लफ्रैंड तापसीपन्नू ने हाल ही मे 'लॉन्च किए गए 'अडवान्स्ड कर्लकेयरस्टाइलिंग जैल' को एंडोर्स किया है।इस अनूठी वेगन रेसिपीको खास तौर पर कर्लीहेयर यानि घुंघराले बालों के लिए डिज़ाइन किया गया ह 'जोबालोंको सॉफ्ट एवं नैचुरल होल्ड देताहै। यह स्टाइलिंग जैल स्वदेशी पर्सनल एव 'हेयरकेयर एक्सपर्ट ब्राण्ड अराता का सबसे आध ुनिक लॉन्च है।

अपने बोल्ड, साहसी और निडर अंदाज़ के लिए जानीजानेवाली– तापसी अराता के कर्लकेयर दर्शिटकोण का प्रतीकहैं, जिसके अनुसार घुंघराले बालोंको खास देखभाल की ज़रूरत होती है।बॉलीवुड अभिनेत्री अपने खूबसूरत कर्लीहेयर के साथ पाम्परिक सौंदर्य के मानकों को बदलते हुए खूबसूरतबालों की नई परिभाशा स्थापित करती हैं, और अन्य लोगो 'को भी अपने घुंघरालेबालों की देखभाल के लिए प्रेरितकरती हैं।

नया लॉन्च किया गया अडवान्स्ड कर्लकेयर हेयरस्टाइलिंग जैल एक आध ुनिक एवं बेहतरीन प्रोडक्ट है, जिसे खासतौरपर उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिनके बालकर्ली यानि घुंघराले होते हैं।यह प्रोडक्टबिना मिलावटवाले, पौधों से प्राप्त प्राकशतिक अवयवो 'जैसे एबिसिनियनसीड ऑयल, ऑर्गन ऑयल, सॉय प्रोटीन और एलोवेरा के गुणों से भरपूर है जो घुंघरालेबालों की सभी समस्याओ 'जैसे फ्रीज़, ड्रायनैस आदि को दूर करता है और बालो 'को भरपूर पोशण देकर इन्हें कोमल एवं मैनेजेबल बनाता है।

# १६ छात्रों ने जैसे ही सूर